कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-15 01-15 अगस्त, 2023 (पाक्षिक) ₹20

नई दिल्ली में आयोजित एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में एनडीए की बैठक

एनडीए की विचारधारा–'राष्ट्र-प्रथम'

वडोदरा (गुजरात) में 10 जुलाई, 2023 को 'कार्यकर्ता संवाद' कार्यक्रम में जनाभिवादन स्वीकार करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल

हिमाचल प्रदेश में 14 जुलाई, 2023 को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य भाजपा नेतागण

जयपुर (राजस्थान) में 16 जुलाई, 2023 को 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान का शुभारंभ करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 19 जुलाई, 2023 को नाबार्ड के 42वें स्थापना दिवस पर माइक्रो एटीएम और 'रुपे किसान क्रेडिट कार्ड' वितरित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

गुरुग्राम (हरियाणा) में 13 जुलाई, 2023 को आयोजित 'एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर जी20 सम्मेलन' के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में 17 जुलाई, 2023 को विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह, श्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोनः 011-23381428, फैक्सः 011-23387887
वेबसाइटः www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 एनडीए ने 'राज्यों के विकास से राष्ट्र का विकास' के मंत्र को सशक्त किया हैः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 18 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली के अशोक होटल में एनडीए के घटक दलों की बैठक को संबोधित किया और विकसित...

14 प्रधानमंत्री की फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात यात्रा

फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमेनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13 जुलाई...

18 भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का हिमाचल प्रदेश एवं गुजरात प्रवास

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 जुलाई, 2023 को हिमाचल प्रदेश के पंडोह, मंडी, कुल्लू...

28 प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त भर्तियों के लिए 70,000 से अधिक नियुक्ति पत्र किए वितरित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय...

31 प्रधानमंत्री मोदीजी ने श्रीलंका के पूर्वी प्रांत के विकास के लिए बहु-क्षेत्रीय पैकेज की घोषणा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री रानिल विक्रमसिंघे...

वैचारिकी

परम सुख का मार्ग / **दीनदयाल उपाध्याय** 25

लेख

प्रधानमंत्री मोदीजी की हालिया अंतरराष्ट्रीय यात्राएंः भारत की विदेश नीति के नए युग की शुरुआत / **विजय चौथाईवाले** 29

अन्य

'नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए घटक एकजुट हैं' 09

एनडीए सत्ता के लिए नहीं बल्कि देशसेवा के लिए बना गठबंधन है : जगत प्रकाश नड्डा 12

'राजस्थान की कांग्रेस सरकार लूटने वाली, अत्याचारी और कुशासन वाली सरकार है' 17

5 वर्षों में 13.5 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए 21

जीएसटी परिषद् ने नकली ज़री धागा समेत कई वस्तुओं पर टैक्स 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की 22

भारत का तीसरा चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' श्रीहरिकोटा से चंद्रमा की यात्रा पर रवाना 24

मोदी स्टोरी 27

कमल पुष्प 27

इस बार मानसून सत्र में अनेक महत्वपूर्ण बिल आ रहे हैंः नरेन्द्र मोदी 33

इटली ने द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सेना के योगदान का किया सम्मान 34

प्रकाशक एवं मुद्रकः डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

हमने गरीब को सुरक्षा के एहसास के साथ-साथ यह विश्वास भी दिया है कि एनडीए सरकार एक भरोसेमंद साथी की तरह हमेशा आपके साथ खड़ी है।

(19 जुलाई, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा कार्यकर्ताओं पर पटना में हुआ लाठीचार्ज राज्य सरकार की विफलता और बौखलाहट का नतीजा है। महागठबंधन की सरकार भ्रष्टाचार के क़िले को बचाने के लिए लोकतंत्र पर हमला कर रही है। जिस व्यक्ति पर चार्जशीट हुई है, उसको बचाने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री अपनी नैतिकता तक भूल गये हैं।

(13 जुलाई, 2023)

अमित शाह

चरमराई हुई कोऑपरेटिव व्यवस्था को पुनर्जीवित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मोदीजी ने सहकारिता मंत्रालय का गठन किया।

(12 जुलाई, 2023)

राजनाथ सिंह

आज का यह दिन, भारतीय इतिहास में एक विशेष महत्व का है। मिशन चंद्रयान-3 की लांचिंग, नये भारत की आकांक्षाओं को नया आकाश देने जा रही है। इस मिशन में हमारे देश के वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, लगन, समर्पण और प्रतिबद्धता जुड़ी हुई है। यह मिशन सफल हो, इसके लिए इसरो की पूरी टीम को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(14 जुलाई, 2023)

बी.एल. संतोष

जहानाबाद में भाजपा नेता जीएस विजय कुमार सिंह का पुलिस लाठीचार्ज के बाद निधन, बिहार में लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा विधायक जीवेश मिश्रा को विधानसभा से बाहर निकाल दिया गया और वरिष्ठ नागरिक भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल पर भी पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस ज्यादती की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। (13 जुलाई 2023)

डॉ. एस. जयशंकर

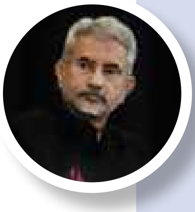

हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी शिक्षा ब्रांड अब आगे बढ़ रहा है। आईआईटी, दिल्ली का अबू धाबी परिसर उच्च मूल्य की शिक्षा एवं अत्याधुनिक अनुसंधान को दुनिया भर में कई अन्य लोगों तक ले जाएगा। साथ ही, खाड़ी के साथ हमारे संबंधों को और मजबूत करेंगे।

(15 जुलाई 2023)

संपादकीय

आकांक्षी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा है राजग

आज जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने 25 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पूर्ण की है, राष्ट्र जीवन में इसके योगदानों की छाप लगभग हर क्षेत्र में देखी जा सकती है। इसने न केवल करोड़ों लोगों के आशीर्वाद प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की, बल्कि इसने गरीब से गरीब व्यक्ति का राजनैतिक व्यवस्था में पुनः विश्वास जगाया तथा लोगों की आकांक्षाओं को नए पंख दिए। इसने लोगों के लिए नए-नए अवसरों का द्वार तो खोला ही, उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरी तथा भारत की असीम संभावनाओं से पूरे विश्व को परिचित कराया। देश में राजनैतिक स्थिरता देने के साथ राजग ने नए-नए विचारों एवं पहलों से देश को नई दिशा दी है। 'राष्ट्र प्रथम' का मंत्र जिसके आधार पर इसकी नीतियां गढ़ी जाती हैं, आज दूरगामी दृष्टि से इसने ऐसा कदम उठाया है जिससे भारत विश्व का अग्रिम पंक्ति का राष्ट्र बन गया है। अपने गठन के दिन से आज तक राजग ने राष्ट्र की अंतर्निहित शक्तियों को सामने लाकर देश को नई ऊर्जा एवं गतिशीलता से युक्त किया है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व परिवर्तन का अनुभव कर रहा है और पिछले नौ वर्षों में हर क्षेत्र में अद्भुत उपलब्धियां प्राप्त की है। आज भारत को असंभव को संभव करने वाले राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है और इसकी उपलब्धियों को वैश्विक मंचों पर सराहा और स्वीकारा जा रहा है।

आज जब चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण भारत की भावना का प्रतिनिधित्व कर रहा है, ऐसे में भारत के वैज्ञानिकों ने पुनः एक बार पूरे राष्ट्र का मस्तक ऊंचा कर दिया है। चंद्रयान-3 न केवल देश की आशाओं एवं स्वप्नों का प्रतिनिधित्व कर रहा है, बल्कि यह देश की मानवता के लिए प्रतिबद्धता को भी दर्शा रहा है तथा हर भारतीय की शोध, अन्वेषण एवं अनुसंधान की यात्रा को अनवरत जारी रखने के संकल्पों को भी परिलक्षित कर रहा है। आज जब चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण से हर भारतीय गौरव का अनुभव कर रहा है, 13.5 करोड़ लोगों का बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलने के समाचार से जन-जन का विश्वास मोदी सरकार के नीतियों एवं कार्यक्रमों पर और भी अधिक गहरा हुआ है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार 2015-16 एवं 2019-21 के बीच भारत ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक में 24.85 प्रतिशत से 14.96 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की है। इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक गिरावट आयी है। वास्तव में यदि देखा जाए तो नीति आयोग की यह रिपोर्ट मोदी सरकार की गरीब-किसान-मजदूर कल्याण की नीतियों पर मुहर है। इन नीतियों का ही यह परिणाम है कि अब तक उपेक्षित रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हो रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थतंत्र पर दिख रहा हैं। इससे यह पता चलता है कि न केवल गरीब से गरीब व्यक्ति की आय बढ़ रही है बल्कि ग्रामीण एवं गरीब जनता को बिजली, बैंक खाता, पेयजल, बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध हो रही हैं। 'अंत्योदय' के सिद्धांत के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता देश में गरीबी में तेजी से कमी दर्शाने वाले सूचकांक में परिलक्षित हो रही है।

> **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि एनडीए (राजग) आज न्यू इंडिया, डेवलपमेंट, और जनता एवं क्षेत्र की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और इसका पिछला 25 वर्ष हमें आने वाले 25 वर्षों में 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए प्रेरित कर रहा है। 'अमृतकाल' के युग में 'आत्मनिर्भरता' एवं 'विकसित भारत' के स्वप्न को देश राजग के माध्यम से साकार करेगा**

जैसाकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि एनडीए (राजग) आज न्यू इंडिया, डेवलपमेंट, और जनता एवं क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और इसका पिछला 25 वर्ष हमें आने वाले 25 वर्षों में 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए प्रेरित कर रहा है। 'अमृतकाल' के युग में 'आत्मनिर्भरता' एवं 'विकसित भारत' के स्वप्नों को राजग के माध्यम से देश साकार करेगा। जहां कांग्रेसनीत गठबंधन 'एलायंस इन कंपल्सन' (मजबूरी का गठबंधन) है, वही राजग 'एलाइंस ऑफ कॉन्ट्रीब्यूशन' (योगदानों का गठबंधन) है जहां हर दल राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। राष्ट्र की विभाजनकारी एवं प्रतिगामी ताकतों को मात देकर देश को 'अमृतकाल' में आगे ले जाने का दायित्व राजग के कंधों पर है। इसके लिए समाज की रचनात्मक एवं सृजनात्मक शक्तियों को संगठित करना पड़ेगा। आज राजग आकांक्षी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक

एनडीए ने 'राज्यों के विकास से राष्ट्र का विकास' के मंत्र को सशक्त किया है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 18 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली के अशोक होटल में एनडीए के घटक दलों की बैठक को संबोधित किया और विकसित भारत के लक्ष्य को सामने रखकर सबसे एकजुट हो राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। इस बैठक में एनडीए के 38 घटक दल और उनके वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

एनडीए के 25 सालों की यात्रा

श्री मोदी ने कहा कि हाल में ही एनडीए के गठन के 25 साल पूरे हुए हैं। ये 25 वर्ष, देश की प्रगति को गति देने और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के रहे हैं। राज्यों के विकास से राष्ट्र का विकास—इस मंत्र को एनडीए ने निरंतर सशक्त किया है। सभी मनीषी नेताओं ने एनडीए को मजबूती देने का काम किया है। हमारे साथ आज प्रकाश सिंह बादलजी और बाला साहेब के सच्चे अनुयायी मौजूद हैं। पुराने साथियों का मैं अभिनंदन करता हूं। नए साथियों का भविष्य के लिए स्वागत करता हूं। एनडीए के 25 सालों की यात्रा के साथ सुखद सहयोग जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि हमारा देश आनेवाले 25 वर्षों में एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कदम बढ़ा रहा है। ये लक्ष्य विकसित भारत का है, आत्मनिर्भर भारत का है। कोटि-कोटि भारतीय आज नए संकल्पों की ऊर्जा से भरे हुए हैं। इस महत्वपूर्ण कालखंड में एनडीए की बहुत बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि एनडीए नई ऊर्जा से भरी हुई त्रिशक्ति है। N से New India के लिए, D से Developed Nation (विकसित राष्ट्र) के लिए और A से Aspiration of People and Regions (लोगों और क्षेत्रीय आकांक्षा) के लिए। आज सभी का विश्वास एनडीए पर है। आज देश का गरीब, देश का मध्यम वर्ग, देश के युवा, महिलाएं, दलित-पीड़ित-शोषित-वंचित, आदिवासी, सभी का विश्वास एनडीए पर है।

सकारात्मक राजनीति का रास्ता

श्री मोदी ने कहा कि हमारा संकल्प पॉजिटिव है, एजेंडा पॉजिटिव है, भावना पॉजिटिव है और हमारा रास्ता भी पॉजिटिव है। सरकारें बहुमत से बनती हैं, देश सबके साथ से चलती है। आज हम विकासशील भारत के निर्माण में जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में राजनीतिक गठबंधनों की एक लंबी परंपरा रही है, लेकिन जो भी गठबंधन निगेटिविटी के साथ बने, वे सफल नहीं हो पाए। कांग्रेस ने नब्बे के दशक में देश में अस्थिरता लाने के लिए गठबंधनों को इस्तेमाल किया। कांग्रेस ने सरकारें बनाईं, सरकारें बिगाड़ीं। जब देश में स्थिर सरकार होती है, तो देश वो फैसले करता है, जो कालजयी होते हैं, देश की दिशा

बदलने वाले होते हैं।

उन्होंने कहा कि एनडीए का लक्ष्य सत्ता हासिल करना नहीं था। एनडीए किसी के विरोध में नहीं बना था। एनडीए किसी को सत्ता से हटाने के लिए नहीं बना था। इसका गठन देश में स्थिरता लाने के लिए हुआ था। जब देश में स्थिर सरकार होती है, तो देश कालजयी फैसले करता है।

उन्होंने कहा कि ये हमने श्रद्धेय अटलजी के दौर में भी देखा और पिछले 9 सालों में बार-बार देख रहे हैं। आज पूरे विश्व का भारत पर भरोसा बढ़ा है। एनडीए की विशेषता रही है कि हमने विपक्ष में भी सकारात्मक राजनीति की। कभी नकारात्मक राजनीति का रास्ता नहीं चुना। हमने विपक्ष में रहकर सरकारों का विरोध किया, उनके घोटालों को सामने लाए, लेकिन हमने कभी जनादेश का अपमान नहीं किया। हमने सरकारों का विरोध करने के लिए कभी विदेशी मदद नहीं मांगी।

विपक्ष के लिए गठबंधन मजबूरी है

श्री मोदी ने कहा कि आज हम देखते हैं, केंद्र की योजनाओं को विपक्ष की कई सरकारें अपने यहां लागू नहीं होने देती। ये योजनाएं लागू होती हैं तो उन्हें रफ्तार नहीं पकड़ने देती। वो सोचते हैं कि अगर मोदी की योजना का लाभ गरीबों को मिला तो उनकी राजनीति कैसे चलेगी? केंद्र की योजनाओं के लिए मुझे कई बार विपक्षी नेताओं को चिट्ठियां लिखनी पड़ती हैं, लेकिन यह अपनी राजनीति के लिए लोगों के बारे में नहीं सोचते।

उन्होंने कहा कि जब गठबंधन सत्ता की मजबूरी का हो, जब गठबंधन, परिवारवाद की नीति पर आधारित हो, जब गठबंधन जातिवाद और क्षेत्रवाद को ध्यान में रखकर किया गया हो, तो वो गठबंधन देश का बहुत नुकसान करता है। 2014 से पहले की गठबंधन सरकार का उदाहरण हमारे सामने है।

उन्होंने कहा कि तमाम उठा-पटक के बीच वो गठबंधन सरकार किसी तरह अपने 10 साल खींच पाई और देश को क्या मिला? प्राइम मिनिस्टर के ऊपर भी एक आलाकमान! निर्णय लेने में अक्षमता! पॉलिसी पैरालिसिस! निर्णय लेने में अक्षमता। भांति-भांति के पावर सेंटर्स। अव्यवस्था और अविश्वास! खींचतान और करप्शन! लाखों करोड़ों के घोटाले! पिछली सरकार में क्रेडिट लेने के लिए सब आगे आते थे, लेकिन गलती होने पर दोष सहयोगियों पर डाल देते थे।

> **एनडीए नई ऊर्जा से भरी हुई त्रिशक्ति है। N से New India के लिए, D से Developed Nation (विकसित राष्ट्र) के लिए और A से Aspiration of People and Regions (लोगों और क्षेत्रीय आकांक्षा) के लिए। आज सभी का विश्वास एनडीए पर है**

उन्होंने कहा कि विपक्ष के लिए गठबंधन मजबूरी है, लेकिन हमारे लिए गठबंधन मजबूरी का नहीं, बल्कि मज़बूती का माध्यम है। भारत, 'coalition compulsions' का नहीं, बल्कि 'coalition contributions' का प्रतीक है। क्रेडिट भी सबका है, दायित्व भी सबका है। एनडीए में कोई भी राजनीतिक दल बड़ा और कोई भी राजनीतिक दल छोटा नहीं है। हम सभी एक लक्ष्य के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

विकासवाद की राजनीति

श्री मोदी ने कहा कि एनडीए देश के लिए, देश के लोगों के लिए समर्पित है। एनडीए, एक प्रकार से क्षेत्रीय आकांक्षाओं का बहुत ही खूबसूरत इंद्रधनुष है। एनडीए की विचारधारा है— Nation First, Security of Nation First. एनडीए की विचारधारा है— Progress First. एनडीए की विचारधारा है— Empowerment of People First.

उन्होंने कहा कि एनडीए में हमने संकल्प लिया था कि हम देश की गरीबों को दूर करेंगे। हमने गरीब को सुरक्षा का अहसास दिया, उन्हें विश्वास दिया कि आपके हर प्रयास के पीछे एनडीए सरकार खड़ी है।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने वोटबैंक की राजनीति को विकासवाद की राजनीति में बदला है। जब घर में टॉयलेट बना तो बहनों को सम्मान और सुरक्षा दोनों मिला। जब नल से जल आया, गैस का सिलेंडर आया, तो उनकी परेशानी कम हुई, उनके समय की बचत हुई।

उन्होंने कहा कि गरीबों को पीढ़ियों दर पीढ़ी गरीब रखने की इस अवधारणा को एनडीए ने तोड़ दिया। हम जो कर रहे हैं यही सच्चा न्याय है। एनडीए में गरीबों, रेहड़ी पटरी वालों को मदद मिल रही है। विश्वकर्मा समाज को भरोसा मिला है कि उन्हें भी मदद मिल सकती है। पहले हमारी माता-बहनों के नाम पर प्रॉपर्टी खरीदने का चलन कम था। वे समाज से कटी थीं, आधी आबादी का ये हाल हो तो गरीबी से पार पाना मुश्किल था। उन्हें लोन मिला, घर मिला तो तस्वीर बदलने लगी।

उन्होंने कहा कि जब गरीबों को बैंक से लोन की गारंटी सरकार देती है, तो उन्हें सहारा मिलता है। जब हम उन्हें मुफ्त इलाज का भरोसा देते हैं तो उससे परिवार ही नहीं,

आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित हो जाता है। पहले ऐसे परिवारों के पास बीमारी में दो विकल्प होते थे— या अपनों को बीमारी से जूझते देखे या घर मकान गिरवी रखे।

उन्होंने कहा कि आज डिफेंस से लेकर माइनिंग तक हर सेक्टर को बेटियों के लिए खोल दिया गया है। देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति देने का सौभाग्य एनडीए को ही मिला है। 9 साल में हमने केवल एक लक्ष्य के साथ काम किया है कि हम देशवासियों का, खासकर गरीब और वंचित का जीवन बेहतर बना सकें। मैं चाहूंगा कि अकेडमी से जुड़े लोग रिसर्च करें कि सरकार की योजना बनाने, काम करने की गति क्या है। इसमें एनडीए सरकार टॉप पर होगी।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए बहुत आसान था कि आजादी के 75 साल पूरे होने पर हम कोई स्मारक बनवा देते, लेकिन हम देश के कोने-कोने में एक लाख अमृत सरोवर बना रहे हैं। हमारी स्पीड, उद्देश्य अभूतपूर्व है। हम 'मेक इन इंडिया' पर भी बल दे रहे हैं और देश के पर्यावरण पर भी ध्यान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले सत्ता के गलियारे में जो बिचौलिए घूमते थे, हमने उनको बाहर कर दिया है। 'जन-धन, आधार और मोबाइल' की त्रिशक्ति से लगभग 30 लाख करोड़ रुपए डीबीटी के जरिए लाभार्थियों के खाते में पहुंचे। लगभग 3 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचाया है। देश में 10 करोड़ फर्जी लाभार्थी थे, जिनका जन्म ही नहीं हुआ था उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा था, वो हमारे दलित, आदिवासियों का था। हमने टेक्नॉलॉजी की मदद से लीकेज की हर संभावना को दूर किया है। हमारी नीयत साफ है, नीति स्पष्ट है और निर्णय ठोस हैं। एनडीए सरकार ने बीते 9 वर्षों में भ्रष्टाचार के हर रास्ते को बंद करने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 में देश की अर्थव्यवस्था टॉप 10 से बाहर थी, आज हम 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि एनडीए की तीसरी सरकार में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठित होंगे। हमारे पास देश के विकास के अगले 25 साल का विजन है।

राजनीतिक दल के आधार पर भेदभाव नहीं

श्री मोदी ने कहा कि पॉलिटिक्स में प्रतिस्पर्धा हो सकती है, लेकिन शत्रुता नहीं होती। हमने राजनैतिक सौहार्द्र और शालीनता को बनाए रखने के लिए प्रयास किए हैं। आखिरकार, हम एक ही देश के लोग हैं, एक ही समाज का हिस्सा हैं लेकिन दुर्भाग्य से आज विपक्ष ने अपनी एक ही पहचान बना ली है— हमें गाली देना, हमें नीचा दिखाना।

> **एनडीए देश के लिए, देश के लोगों के लिए समर्पित है। एनडीए, एक प्रकार से क्षेत्रीय आकांक्षाओं का बहुत ही खूबसूरत इंद्रधनुष है। एनडीए की विचारधारा है— Nation First, Security of Nation First. एनडीए की विचारधारा है— Progress First. एनडीए की विचारधारा है— Empowerment of People First.**

इसके बावजूद हमने राजनीति को कभी भी देश से ऊपर नहीं रखा।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मूल भावना एनडीए की कार्यशैली में आपको हर जगह दिखेगी। हमने प्रणव दा को भारत रत्न दिया, वे जीवन भर कांग्रेस में रहे, लेकिन उन्हें सम्मान देने में हमने संकोच नहीं किया। ये एनडीए सरकार ही है जिसने मुलायम सिंह यादव जी, शरद पवार जी, गुलाम नबी आज़ाद जी, तरुण गोगोई जी, एससी जमीर जी और मुज़फ़्फ़र बेग जी जैसे नेताओं को पद्म सम्मान दिये। हमने कभी भी राजनीतिक दल के आधार पर भेदभाव नहीं किया।

उन्होंने कहा कि इस समय भारत जी20 को होस्ट कर रहा है, इससे जुड़े प्रोग्राम देश में हो रहे हैं। इनका वेन्यू तय करते समय हमने नहीं सोचा कि कहां किसकी सरकार है। कोरोना में हमने हर पार्टी के हर राज्य के सीएम से बात की, उन्हें हर संभव मदद दी।

विपक्ष देश के लोगों को तोड़ता है

श्री मोदी ने कहा कि हम देश के लोगों को जोड़ते हैं, विपक्ष देश के लोगों को तोड़ता है। विपक्ष के लोग जिस गलती को बार-बार दोहरा रहे हैं, वो है— देश के सामान्य मानवी की समझदारी को underestimate करना लेकिन देश की जनता सब कुछ खुली आंखों से देख भी रही है और समझ भी रही है। जनता देख रही है कि ये पार्टियां क्यों इकट्ठा हो रही हैं। जनता ये भी जान रही है कि वो कौन सा Glue है, गोंद है जो इन लोगों को, इन पार्टियों को जोड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए विपक्ष पास तो आ सकते हैं, लेकिन साथ नहीं आ सकते। लोग देख रहे हैं कि केरल में लेफ्ट और कांग्रेस एक दूसरे के खून के प्यासे हैं, लेकिन बेंगलुरु में दोनों पार्टियों के नेता हाथ में हाथ डाल कर मुस्कुरा रहे हैं। लोग देख रहे हैं कि बंगाल में लेफ्ट और कांग्रेस के नेताओं पर, उनके कार्यकर्ताओं पर टीएमसी हमले कर रही है, लेकिन इनके नेता टीएमसी के खिलाफ कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस के नेता और पीडीपी नेता एक दूसरे को कैसी-कैसी गालियां देते थे! आरजेडी और जेडीयू के लोग कैसे-कैसे शब्दों से एक दूसरे को नवाजते थे! देश की जनता ने ये सब करीब से देखा है और देख रही है। जनता जानती है ये मिशन नहीं मजबूरियां है। इन्हें अपने कार्यकर्ताओं की भी चिंता नहीं। ये कार्यकर्ताओं से उम्मीद करते हैं कि जीवनभर जिसका अपमान किया उनका अचानक सम्मान करने लगें। उनके कार्यकर्ता भी भ्रमित हैं कि क्या करें।

उन्होंने कहा कि जो लोग आज मोदी को कोसने के लिए इतना समय लगा रहे हैं, अच्छा होता वो देश के लिए सोचने में, गरीब के लिए सोचने में अपना समय लगाते। हम उनके लिए सिर्फ प्रार्थना ही कर सकते हैं।

शेष पृष्ठ 13 पर...

'नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए घटक एकजुट हैं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 18 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक संपन्न हुई। इसमें एनडीए के 39 घटक दलों ने भाग लिया। यह बैठक एनडीए की स्थापना के 25 सफल वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित की गई। शिवसेना के अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे ने बैठक में एनडीए का प्रस्ताव रखा। एआईएडीएमके के श्री के. पलानीसामी और असम गण परिषद् के श्री अतुल बोरा ने प्रस्ताव का समर्थन किया। बैठक में एनडीए के सभी घटक दलों ने संकल्प लिया कि एनडीए एकजुट होकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लोक सभा चुनाव लड़ेगा और लगातार तीसरी बार भारी बहुमत से श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। हम यहां प्रस्ताव का पूरा पाठ प्रकाशित कर रहे हैं:

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 9 वर्षों में एनडीए सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की परिकल्पना को वास्तविक अर्थों में साकार किया है। एनडीए सरकार में देश प्रगति की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। सुशासन व विकास की यात्रा में देश के सभी वर्गों, क्षेत्रों व समुदायों की भागीदारी है। एनडीए अपने स्वरूप में 'एक भारत, एकजुट भारत' का प्रतिनिधित्व करता है। देश को प्रगति-पथ पर आगे बढ़ाने के लिए एनडीए के सभी दल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी व लोकप्रिय नेतृत्व का अभिनंदन करते हैं।

एनडीए के गठन को 25 साल हो गए हैं। इन 25 वर्षों में एनडीए ने सुशासन के उच्च मानक स्थापित किए हैं। एनडीए की सरकार जब भी सत्ता में आई है, उसने राष्ट्र प्रथम की भावना और जनकल्याण के उद्देश्य को सर्वोपरि मानकर काम किया है। 1998 से 2004 तक श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार हो या 2014 से अब तक श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार हो, एनडीए सरकार ने सदैव देश की क्षेत्रीय आकांक्षाओं को समर्थन देते हुए राष्ट्र-निर्माण की भावना के साथ काम किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती, सुशासन की स्थापना, आधारभूत संरचना का निर्माण, गरीबों-पिछड़ों के जीवनस्तर में सुधार तथा विश्वपटल पर भारत की प्रतिष्ठा जैसे विषय एनडीए सरकार की प्राथमिकता में रहे हैं। विशेषकर पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र

मोदी जी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और विकास की दृष्टि से एनडीए सरकार ने जैसा काम किया है, वो अभूतपूर्व है।

एनडीए के साथी दलों ने निजी स्वार्थों को छोड़ जनसेवा को सर्वोपरि मानकर भारतीय राजनीति के लिए एक महान आदर्श प्रस्तुत किया है। एनडीए की सोच, सिद्धांत और स्वरूप में देशहित प्रथम की मूल भावना हमेशा से रही है। राष्ट्र-निर्माण और जनकल्याण के जिस महान विचार के साथ यह यात्रा 1998 में शुरू हुई थी, आज भी उसी रूप में जारी है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए के सभी साथी दल 2024 के लोकसभा चुनाव में विजय के अटूट विश्वास का संकल्प लेते हैं। एनडीए सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों की भी सराहना करता है।

गरीब कल्याण का संकल्प

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 2014 में व्यक्त 'गरीब कल्याण' के संकल्पों को साकार करते हुए एनडीए सरकार की लाभार्थी कल्याण की अनेक योजनाओं से गरीबों के जीवन में बदलाव आया है। दुनिया के विश्वसनीय रिपोर्ट्स के अनुसार भी भारत में गरीबी तेजी से कम हुई है। जन-धन योजना के तहत बैंक खाते से लेकर पीएम उज्ज्वला योजना के तहत धुंआ मुक्त रसोई तक; स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय से लेकर जल जीवन मिशन के माध्यम से शुद्ध पानी के नल तक; पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से छोटे किसानों को आर्थिक संबल देने से लेकर पीएम आवास योजना के माध्यम से भारत के करोड़ों परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त आवास देने तक; छोटे व मध्यम उद्योगों को आर्थिक सहायता देकर रोजगार व स्व-रोजगार के अवसर सृजित करने जैसे अनेक सराहनीय कार्य गत 9 वर्षों की एनडीए सरकार में हुए हैं। इनके माध्यम से गरीबों के जीवन में बदलाव आया है। गरीब कल्याण के संकल्प को साकार करने के लिए एनडीए के सभी घटक दल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व का मुक्त कंठ से अभिनंदन करते हैं।

> **पिछले 9 वर्षों में श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय की मूल भावना के अनुरूप एनडीए की सर्वस्पर्शी-समावेशी सरकार चल रही है। एनडीए की मोदी सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला तथा आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के सामाजिक व आर्थिक उत्थान के लिए सदैव समर्पित है**

सर्वस्पर्शी-समावेशी सरकार

पिछले 9 वर्षों में श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय की मूल भावना के अनुरूप एनडीए की सर्वस्पर्शी-समावेशी सरकार चल रही है। एनडीए की मोदी सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला तथा आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के सामाजिक व आर्थिक उत्थान के लिए सदैव समर्पित है। वंचित समाज के हितों के लिए आवाज उठाने वाले महान राष्ट्रनायक बाबा साहब अम्बेडकर जी के जीवन से जुड़े स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में स्थापित करने का कार्य श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। इन स्थलों से समाज को समता और समरसता की प्रेरणा मिलती है।

अनुसूचित जाति-जनजाति समाज के हित में पिछले 9 वर्षों में जितने कदम उठाए गए हैं, उतने पहले कभी नहीं उठाए गए। अनुसूचित जाति-जनजाति समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए साल-दर-साल बजट में बढ़ोत्तरी हुई है। मोदी सरकार की लाभार्थी योजनाओं में भी दलित व आदिवासी समाज को प्राथमिकता दी गयी है। दलित समाज के आर्थिक सशक्तीकरण एवं स्व-रोजगार में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्टैंडअप योजना, मुद्रा योजना के तहत आसान ऋण में प्राथमिकता को मोदी सरकार सुनिश्चित कर रही है। इन योजनाओं का परिणाम है कि एससी-एसटी समाज के लोग शिक्षा, उद्योग, रोजगार, सेवा तथा सामाजिक क्षेत्र में उभरकर आ रहे हैं।

2017 के राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए ने दलित समाज से आने वाले श्री रामनाथ कोविंद जी को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया और उन्होंने राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया। 2022 में जब राष्ट्रपति चुनाव हुआ तो एनडीए ने अनुसूचित समाज से आने वाली महिला श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी को उम्मीदवार बनाया और वे राष्ट्रपति बनीं। यह दिखाता है कि श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए अनुसूचित जाति-जनजाति के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है।

सामाजिक व शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग के सशक्तीकरण के लिए मोदी सरकार ने दशकों से लंबित पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने की मांग को पूरा किया है। मोदी सरकार के नीतिगत निर्णय से मेडिकल क्षेत्र के दाखिले में पिछड़ा वर्ग से आने वाले छात्रों के लिए अवसर बढ़े हैं। शिक्षा और रोजगार में ओबीसी समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार के प्रयास अभिनंदन करने योग्य हैं।

'नारी शक्ति' के सशक्तीकरण के उद्देश्य से एनडीए सरकार ने महिला-केंद्रित पहलों को सफलतापूर्वक शुरू किया है। आवासीय योजनाओं के तहत घरों को महिलाओं के नाम पर पंजीकृत करने, महिलाओं के लिए संपत्ति कार्ड वितरण, महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने, महिला उद्यमियों को आसान ऋण उपलब्ध कराने सहित अनेक कदमों से देश की नारी शक्ति के लिए राजनीति, रोजगार-स्वरोजगार, सेवा, रक्षा सहित हर क्षेत्र में अवसरों के द्वार खुले हैं। इसका परिणाम है कि देश की नारी शक्ति की उपस्थिति हर क्षेत्र में देखने को मिल रही है।

सामाजिक न्याय की मूल परिकल्पना को श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने अपने नीतियों और निर्णयों से पूरा किया है। आज देश की राजनीति, सरकार तथा अन्य क्षेत्रों में समाज के हर वर्ग की हिस्सेदारी सुनिश्चित हो रही है, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री

नरेन्द्र मोदी जी की प्रतिबद्धता अभिनंदनीय है। एनडीए इसकी प्रशंसा करता है।

विश्व पटल पर मजबूती से उभरती अर्थव्यवस्था

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के साथ वैश्विक अर्थतंत्र के नए केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। पिछले 9 वर्षों की एनडीए सरकार में देश ने अब तक का सर्वाधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त करने के कीर्तिमान को भी हासिल किया है। तेजी से मजबूत होती भारत की अर्थव्यवस्था में देश के राज्य और केंद्रशासित प्रदेश भी सक्रिय भागीदार बनकर उभरे हैं। इसका परिणाम है कि अमृतकाल का भारत रक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता को कम करके निर्यात करने वाला देश बनकर उभर रहा है।

देश के बुनियादी ढांचे को अभूतपूर्व आयाम देने वाली प्रधानमंत्री गति शक्ति परियोजना को आकार देने के लिए एनडीए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सराहना करता है। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ता भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे में विश्व पटल पर अग्रणी भूमिका के रूप में उभर रहा है। भारत में आर्थिक लेन-देन के लिए तैयार यूपीआई मॉडल को लेकर भारत के नेतृत्व को सभी ने देखा और सराहा है।

> **आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ता भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे में विश्व पटल पर अग्रणी भूमिका के रूप में उभर रहा है। भारत में आर्थिक लेन-देन के लिए तैयार यूपीआई मॉडल को लेकर भारत के नेतृत्व को सभी ने देखा और सराहा है**

सक्षम, सबल, सामर्थ्यवान और सुरक्षित भारत

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार में भारत रक्षा-सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता हासिल कर रहा है। अमृतकाल का नया भारत स्वदेशी रक्षा उपकरणों का निर्माता बनकर उभरा है। रक्षा उपकरणों का निर्यात करने वाले देश के रूप में भारत उभरा है। सीमा सुरक्षा के मामले में भारत ने पिछले 9 वर्षों में बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है। सैन्य संसाधन में भारत शक्तिशाली देश बनकर उभरा है। आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति पर चलते हुए भारत शांति और प्रगति के संदेश का वाहक बना है।

कोविड की कठिन चुनौती के खिलाफ लड़ाई में भारत ने अपने असीम सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता का परिचय दिया है। कोविड महामारी से लड़ाई में भारत के नेतृत्व की दूरदर्शिता को दुनिया भर में सराहना मिली है।

लोकप्रिय नेतृत्व—अटूट विश्वास

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वैश्विक मंचों पर भारत की साख मजबूत हुई है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को देशवासियों का अटूट विश्वास हासिल है। अपने यशस्वी नेतृत्व पर 140 करोड़ देशवासियों के विश्वास के कारण ही भारत की साख दुनिया में बढ़ी है। पूरे देश साहित हम सभी के लिए गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को 14 देशों द्वारा शीर्ष राष्ट्रीय सम्मान दिया गया है। इसमें फ्रांस और खाड़ी क्षेत्र के कई देश शामिल हैं। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व में भारत के प्रति दुनिया के सम्मान पूर्ण दृष्टिकोण का परिचायक है। यह दुनिया के पटल पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रभावशाली नेतृत्व की पहचान है।

भारत के प्रति दुनिया के नजरिये में बदलाव का ही परिणाम है कि विश्व के जटिलतम विषयों पर दुनिया के देश भारत की तरफ आशा भरी नजरों से देखने लगे हैं। यह सुखद संयोग है कि इसी कालखंड में भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है।

आज का भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणा-शब्द 'यही समय है, सही समय है' की भावना के साथ 'चरैवेति-चरैवेति' का मंत्र लेकर विजन-2047 के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जनभागीदारी व जनविश्वास के साथ दौड़ चला भारत है।

विजय के विश्वास का संकल्प

2014 के लोकसभा चुनाव में श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए को जनता का जो आशीर्वाद मिला, वह पांच साल बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में और बढ़ा। विपक्षी दलों के झूठ, अफवाह और बेबुनियाद बयानों को सिरे से नकार कर देश की जनता एनडीए नेतृत्व पर विश्वास जता रही है। विपक्ष अपनी पहचान के संकट से जूझ रहा है। आज का विपक्ष भ्रम और भटकाव से घिरा हुआ है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सभी दल यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व के प्रति अडिग विश्वास व्यक्त करते हुए पूरी एकजुटता के साथ 2024 के लोकसभा चुनावों में 2019 में मिली जीत से भी बड़े जनादेश के साथ विजय के संकल्प का उद्घोष व्यक्त करते हैं। हम पूरी एकजुटता और आत्मविश्वास के साथ संकल्प व्यक्त करते हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पहले से भी बड़ा जनादेश और अपार जनआशीर्वाद श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए को मिलने जा रहा है।

अपनी कर्मशीलता, कर्मठता, अथक परिश्रम तथा देशसेवा के प्रति निःस्वार्थ समर्पण से भारत को प्रगति-पथ पर आगे ले जाने तथा अपने नेतृत्व से अनेक अवसरों पर देशवासियों को गौरव की सुखद अनुभति कराने के लिए एनडीए के सभी साथी दल जन-मन के बीच सर्व-प्रिय तथा सर्व-स्वीकार्य जननेता श्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनंदन करते हैं। एनडीए घटक सर्वसम्मति से यह संकल्प लेते हैं कि श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की इस विकास-यात्रा के सहभागी के रूप में— 'हम एक हैं, एकजुट हैं, एकमत हैं।' ■

एनडीए सत्ता के लिए नहीं बल्कि देशसेवा के लिए बना गठबंधन है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक से एक दिन पूर्व 17 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित किया और बैठक के बारे में विस्तार से चर्चा की

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि 18 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक आहूत की गई है। इसमें देश के लगभग सभी राज्यों से एनडीए के 38 सहयोगी दल भाग लेंगे। बीते 9 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए का दायरा बढ़ा है। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में एनडीए के सभी साथी दल देश के विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हैं। देश के कोने-कोने से राजनीतिक पार्टियां देश के विकास में समावेश कर रही हैं। राष्ट्र की जनाकांक्षाओं की संपूर्ति के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का ऐतिहासिक विस्तार, आकार ले रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास हो रहा है। हर फ्रंट पर विकास की नई कहानी लिखी जा रही है चाहे राष्ट्रीय सुरक्षा की बात हो, अंतरराष्ट्रीय राजनीति या कूटनीति हो या फिर आम जन के सशक्तीकरण की बात हो।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने गुड गवर्नेंस अर्थात् सुशासन के एजेंडे को लेकर संकल्पबद्ध होकर काम किया है और लगातार इस दिशा में काम हो रहा है। उदाहरण के तौर पर अब तक डीबीटी के माध्यम से लगभग 28 लाख करोड़ रुपये लाभार्थियों के एकाउंट में बिना किसी लीकेज के पहुंचाए जा रहे हैं। इससे लाखों करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार पर रोक लगी है और उसका उपयोग कल्याणकारी योजनाओं के लिए हो रहा है। आज सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ, बिना किसी बिचौलिए और भ्रष्टाचार के, आम आदमी तक पहुंच रहा है तथा लोगों के जीवन स्तर में बदलाव लाने का कारक बन रहा है, यह एनडीए सरकार के गुड गवर्नेंस का ही उदाहरण है।

> **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने गुड गवर्नेंस अर्थात् सुशासन के एजेंडे को लेकर संकल्पबद्ध होकर काम किया है और लगातार इस दिशा में काम हो रहा है**

उन्होंने कहा कि बीते 9 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के आम नागरिकों के सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, आदिवासी, युवा, महिला— सबके कल्याण एवं उनके जीवन में उत्थान लाने के लिए काम किया जा रहा है ताकि समाज के सभी वर्ग आगे बढ़ें। इस कारण भी एनडीए में राजनीतिक दलों का जुड़ाव बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेंस की नीति रखी है। सरकार का प्रयास व्यवस्था को इतना पारदर्शी बनाने का रहा है, जिससे कि भ्रष्टाचार के लिए कोई गुंजाइश ही न बचे। यही कारण है कि नौ वर्षों के कार्यकाल में सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की पूरी दुनिया में सराहना हो रही है। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में आज देश प्रगति-पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। न केवल राष्ट्रीय स्तर पर देश के विकास को गति मिली है, अपितु विश्व पटल पर भी भारत की साख में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिस कुशलता से कोविड जैसी महामारी का मुकाबला किया तथा विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का सफलतापूर्वक संचालन किया, वो विश्व के समक्ष एक शासन के एक आदर्श मॉडल

का उदाहरण बना है। आज पूरा विश्व उम्मीद के साथ भारत की तरफ देख रहा है, तो इसका मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी का मजबूत नेतृत्व है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं। आज जब रूस-यूक्रेन युद्ध और कोरोना के कारण पूरी दुनिया आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रही है, तब आईएमएफ, मॉर्गन स्टेनली जैसी तमाम अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थाएं कहती हैं कि भारत दुनिया की सबसे स्टेबल और सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई इकॉनमी है। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आर्थिक सुधारों और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का ही परिणाम है कि बीते 9 साल में देश की गरीबी 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत पर आ गई है तथा देश में अत्यधिक गरीबी की दर भी एक प्रतिशत से भी कम के स्तर पर बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि एनडीए एक आदर्श अलायंस है। एनडीए कोई सत्ता के लिए बना गठबंधन नहीं, बल्कि देश की सेवा के लिए बना गठबंधन है। हमारा अलायंस देश को मजबूत करने के लिए है, देश को आगे बढ़ाने के लिए है।

जहां तक कांग्रेस और यूपीए की बात है तो यह भानुमति का कुनबा है। मतलब—कहीं का ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा। यूपीए इसी तरीके का गठबंधन है। विपक्षी गठबंधन के पास न नेता है, न नीति है, न नीयत है, न निर्णय लेने की ताकत है और न ही इनके पास देश के लिए कोई विजन है

विपक्षी गठबंधन पर करारा हमला बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा कि जहां तक कांग्रेस और यूपीए की बात है तो यह भानुमति का कुनबा है। मतलब—कहीं का ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा। यूपीए इसी तरीके का गठबंधन है। विपक्षी गठबंधन के पास न नेता है, न नीति है, न नीयत है, न निर्णय लेने की ताकत है और न ही इनके पास देश के लिए कोई विजन है। विपक्ष का गठबंधन महज फोटो-ऑप के लिए अच्छा है। निहित सत्ता स्वार्थ पर आधारित विपक्षी एकता की बुनियाद बहुत ही खोखली है। विपक्षी गठबंधन यूपीए की 10 साल की सरकार के कुशासन, भ्रष्टाचार और घोटालों का टोला है। ये परिवारवादी पार्टियां अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए इकट्ठा हुई है, ताकि उन पर कोई एक्शन न हो। विपक्षी गठबंधन लगभग 20 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार और घोटालों से बचने के लिए इकठ्ठा हुए हैं।

उन्होंने कहा कि देश ने तय कर लिया है कि 2024 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही आगे बढ़ना है। हमारी एकता अटल है और देश के हित में है। एक बार पुनः एनडीए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ने के लिए कृत संकल्पित है। ■

पृष्ठ 8 का शेष...

देश के लोग मन बना चुके हैं

श्री मोदी ने कहा कि 2024 का लोक सभा चुनाव बहुत दूर नहीं है। देश के लोग मन बना चुके हैं कि तीसरी बार फिर एनडीए को ही अवसर देना है।

उन्होंने कहा कि देश के लोग तो मन बना चुके हैं, लेकिन विदेश का मन भी बहुत कुछ संकेत दे रहा है। आमतौर पर किसी देश में चुनाव का समय निकट आता है, तो उसका बहुत बड़ा असर उसका वैश्विक संबंधों पर होता है। हरेक को लगता है कि अरे भाई! अब तो चुनाव का वर्ष है, अभी सरकार के साथ रहने दो, चुनाव हो जाए तो नई सरकार आएगी, तब सोचेंगे। स्वभाविक है, कोई दूसरा देश उस सरकार के साथ, जब चुनाव निकट हो तो संबंध बनाने से पहले सम्मान करने से पहले सौ बार सोचता है।

उन्होंने कहा कि विदेश की सरकार चुनाव के समय चुनाव होने का इंतजार करता है। जो सरकार जाने वाली होती है, उस पर कोई देश अपना टाइम और एनर्जी इन्वेस्ट करना नहीं चाहता है, लेकिन इस समय भारत का मामला कुछ अलग है।

सबको पता है कि हमारे यहां कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं, लेकिन अनेक महत्वपूर्ण देश चाहे अमेरिका हो, फ्रांस हो, जापान हो, यूएई हो, यूके हो, सब एनडीए सरकार के प्रतिनिधियों को इनवाइट कर रहे हैं और उनको मान-सम्मान दे रहे हैं। इतने ही देश भारत के साथ बड़े-बड़े और दूरगामी समझौते कर रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं कि वे भी जान रहे हैं कि भारत के लोगों का भरोसा एनडीए पर है। भारत के लोगों का भरोसा किस पर है, दुनिया के लोग जान रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है—विकास, भारत का विकास। भारत के कोटि-कोटि लोगों की आशा-आकांक्षा ही हमारा एजेंडा है। हम पूरी शक्ति लगा लेंगे, हम मेहनत करेंगे, ईमानदारी से काम करेंगे, ये हमारी गारंटी है।

श्री मोदी ने कहा कि मेरे शरीर का हर कण, मेरे समय का हर क्षण, देश को ही समर्पित है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि मैं अपने परिश्रम में, अपने प्रयासों में कहीं कोई कमी नहीं रहने दूंगा। मुझसे गलती हो सकती है लेकिन बदनीयती से मैं दूर रहूंगा, बदनीयती से कोई काम नहीं करूंगा। ■

'गरीबी और विकास जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना हमारी साझेदारी का मतलब'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13-15 जुलाई, 2023 के बीच फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजकीय यात्रा की। श्री मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमेनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर 13 से 14 जुलाई तक फ्रांस में रहे। वहां पर वे राष्ट्रपति श्री मैक्रों के साथ फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस 'बास्टील-डे' पर पेरिस में हुए समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। बास्टील-डे परेड में भारत की तीनों सेनाओं के दल ने भी हिस्सा लिया। इसके बाद श्री मोदी संयुक्त अरब अमीरात की राजकीय यात्रा पर 15 जुलाई को अबू धाबी पहुंचे। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक श्री शेख मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहयान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने जी-20 की भारत की अध्यक्षता और कॉप-28 की संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता के तहत दोनों देशों द्वारा 2023 के दौरान निभाई गई महत्वपूर्ण वैश्विक भूमिकाओं को रेखांकित किया

फ्रांस गणराज्य की यात्रा

फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमेनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13 जुलाई, 2023 को पेरिस पहुंचे। एक विशेष भावाभिव्यक्ति के रूप में फ्रांस की प्रधानमंत्री सुश्री एलिजाबेथ बोर्न ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

श्री मोदी की यह ऐतिहासिक यात्रा भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ पर हुई, जहां वे फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रीय दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जनवरी, 1998 में परिवर्तन और अनिश्चितता की दुनिया में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी और राष्ट्रपति श्री जैक्स शिराक ने इस रिश्ते को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया, जो किसी भी देश के साथ भारत की पहली रणनीतिक साझेदारी में से एक थी।

फ्रांस की प्रधानमंत्री से मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 13 जुलाई को फ्रांस की प्रधानमंत्री सुश्री एलिज़ाबेथ बोर्न से मुलाकात की। दोनों राजनेताओं ने आर्थिक और व्यापारिक, ऊर्जा, पर्यावरण, शिक्षा, आवागमन, रेलवे, डिजिटल सार्वजनिक अधोरचना, संग्रहालय-विज्ञान और लोगों के बीच मेल-मिलाप सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने भारत और फ्रांस के बीच बहुविध सहयोग को और सघन बनाने की इच्छा दोहराई।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 13 जुलाई को फ्रांस की सिनेट के अध्यक्ष श्री जेरार्ड लार्शर से मुलाकात की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'लोकतंत्र, आजादी और समानता' के हमारे साझा मूल्यों की महत्ता को उजागर किया, जो भारत-फ्रांस साझीदारी की आधारशिला है और जिसके पीछे जनमानस की शक्ति है।

चर्चा का आयाम विस्तृत था, जिसमें तमाम मुद्दे शामिल थे, जैसे जी-20 में भारत की प्राथमिकताएं, प्रौद्योगिकी के उपयोग में लोकतांत्रिक मूल्य और दोनों देशों के उच्च सदनों के बीच सहयोग। आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक विषयों पर भी बातचीत की गई।

भारतीय समुदाय के साथ बातचीत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 जुलाई को पेरिस के 'ला सीन म्यूजिकल' में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने बहुआयामी भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी पर प्रकाश डाला, जो अपनी 25वीं वर्षगांठ मना रही है। प्रधानमंत्री ने फ्रांस के मार्सैय में नया वाणिज्य दूतावास खोलने की घोषणा भी की। श्री मोदी ने फ्रांस में भारतीय समुदाय के योगदान पर प्रकाश डाला, जो भारत-फ्रांस साझेदारी के लिए एक मजबूत नींव का निर्माण करते हैं।

प्रधानमंत्री को 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से किया गया सम्मानित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 13 जुलाई को फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति श्री इमेनुएल मैक्रों द्वारा फ्रांस के सर्वोच्च पुरस्कार 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री ने भारत के लोगों की ओर से इस विशिष्ट सम्मान के लिए राष्ट्रपति श्री मैक्रों को धन्यवाद दिया। यह पुरस्कार समारोह पेरिस के एलिसी पैलेस में आयोजित किया गया।

प्रधानमंत्री सम्मानित अतिथि के रूप में बैस्टिल डे परेड में हुए शामिल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 14 जुलाई, 2023 को चैंप्स-एलिसीस पर फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रॉन के निमंत्रण पर सम्मानित अतिथि के रूप में बैस्टिल डे परेड में शामिल हुए।

भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक सैन्य बैंड के नेतृत्व में सेना के तीनों अंगों की 241 सदस्यीय भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ी ने भी परेड में भाग लिया। भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व पंजाब रेजिमेंट ने राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट के साथ किया।

हाशिमारा के 101 स्क्वाड्रन से भारतीय वायु सेना के राफेल जेट परेड के दौरान फ्लाई पास्ट का हिस्सा बने। 14 जुलाई को फ्रांसीसी क्रांति के दौरान 14 जुलाई, 1789 को बैस्टिल जेल पर हुए हमले की वर्षगांठ मनाई जाती है, जो भारतीय और फ्रांसीसी दोनों संविधानों के केंद्रीय विषय 'स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे' के लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है।

फ्रांस की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष के साथ मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 जुलाई को फ्रांस की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष सुश्री येल ब्रौन पिवेट और असेंबली के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के साझा मूल्यों को रेखांकित किया। उन्होंने दोनों देशों की संसदों के बीच सहयोग को और अधिक बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

फ्रांस के पक्ष ने भारत की व्यापक निर्वाचन प्रक्रिया की प्रशंसा की। इन चर्चाओं में व्यापार और अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, प्रौद्योगिकी और संस्कृति सहित रणनीतिक साझीदारी के विभिन्न स्तंभ भी शामिल थे। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार व्यक्त किये।

साझा मूल्यों, संप्रभुता और रणनीतिक स्वायत्तता में विश्वास

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री मैक्रों ने पिछले 25 वर्षों में द्विपक्षीय सहयोग के हर क्षेत्र में संबंधों के परिवर्तन और विस्तार की समीक्षा की और क्षेत्रीय जिम्मेदारियों और वैश्विक महत्व की साझेदारी में इसके विकास पर प्रकाश डाला।

दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद वे इस बात पर सहमत हुए कि दोनों देशों के बीच संबंध कठिन परिस्थितियों से बचे रहे हैं और अवसरों की ऊंची लहरों पर मजबूती से टिके रहे और विकसित हुए हैं। इसे साझा मूल्यों, संप्रभुता और रणनीतिक स्वायत्तता में विश्वास, अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, बहुपक्षवाद में स्थायी विश्वास और एक स्थायी बहुध्रुवीय दुनिया के लिए एक आम खोज में देखा जा सकता है।

हमारी राजनीतिक और कूटनीतिक संलग्नताएं हमारे लिए सबसे निकटतम और विश्वसनीय हैं। हमारी रक्षा और सुरक्षा साझेदारी मजबूत है और समुद्र तल से लेकर अंतरिक्ष तक फैली हुई है। हमारे आर्थिक संबंध हमारी समृद्धि और स्वतंत्रता को रेखांकित करते हैं और लचीली आपूर्ति शृंखलाओं को संचालित करते हैं। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि स्वच्छ ऊर्जा और निम्न कार्बन को बढ़ावा देना, जैव विविधता की रक्षा करना, महासागरों की रक्षा करना और प्रदूषण से मुकाबला करना

सहयोग के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और डिजिटल, नवाचार और स्टार्टअप साझेदारी विकास का एक नया क्षेत्र है, जो हमारे दोनों देशों के बीच गहरे तालमेल और मजबूत पूरकता पर आधारित है।

शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संस्कृति में हमारे गहरे संबंध, हमारे युवा समुदाय के आदान-प्रदान और और बढ़ते प्रवासी संबंध लोगों को करीब लाते हैं और भविष्य की साझेदारी के बीज बो रहे हैं।

संयुक्त अरब अमीरात यात्रा

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति श्री शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जुलाई, 2023 को अबू धाबी में मुलाकात की। दोनों पक्षों ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की यह पांचवीं यात्रा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आखिरी बार जून, 2022 में संयुक्त अरब अमीरात का उस समय दौरा किया था, जब वह श्री शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात करने के लिए अबू धाबी गए थे और महामहिम के संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति बनने पर उन्हें शुभकामनाएं दी थीं। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री श्री मोदी 34 वर्षों में संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री बने थे।

दोनों नेताओं ने संयुक्त अरब अमीरात-भारत संबंधों में सभी मोर्चों पर हुई जबरदस्त प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापार 2022 में बढ़कर 85 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हो गया, जिससे संयुक्त अरब अमीरात वर्ष 2022-23 के दौरान भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बन गया।

भारत, संयुक्त अरब अमीरात का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। फरवरी 2022 में भारत पहला ऐसा देश बन गया जिसके साथ संयुक्त अरब अमीरात ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। 1 मई, 2022 को सीईपीए के लागू होने के बाद से द्विपक्षीय व्यापार में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दोनों नेताओं ने जी-20 की भारत की अध्यक्षता और कॉप-28 की संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता के तहत दोनों देशों द्वारा 2023 के दौरान निभाई गई महत्वपूर्ण वैश्विक भूमिकाओं को रेखांकित किया।

स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए फ्रेमवर्क की स्थापना

अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति श्री शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी निम्न गतिविधियों के साक्षी बनेः

I. दोनों देशों के केन्द्रीय बैंकों के गवर्नरों द्वारा सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं (आईएनआर-एईडी) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक फ्रेमवर्क की स्थापना हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

II. दोनों देशों के केन्द्रीय बैंकों के गवर्नरों द्वारा भुगतान एवं संदेश प्रणाली को आपस में जोड़ने से संबंधित एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

III. अबू धाबी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-दिल्ली की स्थापना की योजना से संबंधित एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

दोनों नेताओं ने आईआईटी दिल्ली-अबू धाबी की स्थापना हेतु भारत के शिक्षा मंत्रालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी दिल्ली) और अबू धाबी शिक्षा एवं ज्ञान विभाग (एडीईके) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन के महत्व पर भी चर्चा की। ■

'राजस्थान की कांग्रेस सरकार लूटने वाली, अत्याचारी और कुशासन वाली सरकार है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 जुलाई, 2023 को जयपुर, राजस्थान के चंदनवन से कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजस्थान भाजपा के राज्यव्यापी अभियान 'नहीं सहेगा राजस्थान' का शुभारंभ किया। यह अभियान अगले 15 दिनों तक अर्थात् 1 अगस्त तक चलेगा। इस अभियान के माध्यम से राज्य के दो करोड़ लोगों से संपर्क किया जाएगा। इस दौरान आंदोलन से जुड़े ऑडियो, वीडियो और पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर श्री नड्डा ने एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस की गहलोत सरकार का 'फेल कार्ड' भी जारी किया। कार्यक्रम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद श्री सीपी जोशी, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान के भाजपा प्रभारी श्री अरुण सिंह, केन्द्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन सिंह मेघवाल, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजस्थान श्री राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं राजस्थान के सह प्रभारी श्री नितिन पटेल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि अगले 15 दिनों तक 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान को लेकर पूरे प्रदेश में हर विधानसभा में अभियान चलाया जाएगा, क्योंकि कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार लूटने वाली सरकार है। गरीबों का हिस्सा चोरी करना, सरेआम भ्रष्टाचार करना, भ्रष्टाचार के नित नए रिकॉर्ड बनाना— यही कांग्रेस की गहलोत सरकार का चाल, चलन और चरित्र है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार लूटनेवाली, अत्याचारी और कुशासन वाली सरकार है। ऐसी सरकार को सत्ता में एक मिनट भी रहने का कोई अधिकार नहीं है।

श्री नड्डा ने कहा कि मीडिया की खबरों के अनुसार राजस्थान में प्रतिदिन औसतन 18-19 रेप के मामले सामने आ रहे हैं, हर दिन औसतन 5-7 मर्डर की खबरें आ रही हैं। कांग्रेस की गहलोत सरकार में हजारों महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं घटी हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में गहलोत सरकार खुलेआम अन्याय और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। जयपुर बम ब्लास्ट केस में भाजपा की वसुंधरा राजे सिंधिया सरकार ने इस मामले को फ़ास्ट ट्रैक पर डाला। फलतः बम ब्लास्ट के आतंकियों को फांसी की सजा सुनायी गई, लेकिन कांग्रेस की गहलोत सरकार में केस को कमजोर किया गया। वोट बैंक की खातिर गहलोत सरकार ने जयपुर बम बलास्ट के आरोपियों को छोड़ने में मदद की और उनकी फांसी की सजा समाप्त हो गई। पक्षपातपूर्ण कार्य करने वाली ऐसी गहलोत सरकार को रहने देना चाहिए क्या?

श्री नड्डा ने कहा कि गहलोत सरकार में राजस्थान में लगभग 19,500 किसानों की भूमि जब्त कर ली गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी राजस्थान में आकर बोलते थे कि एक-दो-तीन-चार और किसानों का कर्जा माफ। इससे उलटे कांग्रेस सरकार राजस्थान के किसानों की जमीन जब्त कर रही है। इस अत्याचारी सरकार को एक मिनट भी रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि 2022 में राजस्थान में दलितों पर 8 हजार से ज्यादा मुकदमें दर्ज हुए थे। यह कैसा प्रदेश बन गया है?

उन्होंने कहा कि पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राजस्थान के लगभग 40 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। राजस्थान में 31 लाख घरों में नल से जल पहुंचाया जा रहा है। प्रदेश में लगभग 83 लाख शौचालय बने हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत राजस्थान के लगभग 70 लाख किसानों को हर साल छह-छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राजस्थान में 30 लाख से ज्यादा घर बनाए गए हैं। उज्ज्वला योजना, उजाला योजना, जन धन योजना आदि योजनाओं से गरीबों का कल्याण हो रहा है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में गरीबी तेजी से घटी है और यह अब 10 प्रतिशत के नीचे आ गई है। अति गरीबी की दर भी देश में एक प्रतिशत से कम है। एक ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' करनेवाली केंद्र सरकार है तो दूसरी तरफ राजस्थान में कांग्रेस की उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार करनेवाली सरकार है। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 जुलाई, 2023 को हिमाचल प्रदेश के पंडोह, मंडी, कुल्लू, बड़ा भुही और मनाली में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुए नुकसान का जायजा लिया और प्रभावित लोगों से चर्चा भी की। उन्होंने हिमाचल प्रदेश को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और भाजपा की ओर से पूरा सहयोग और समर्थन देने का भरोसा दिया।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष श्री जयराम ठाकुर एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री राजीव बिंदल भी श्री नड्डा के साथ रहे। मंडी में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अनुराग ठाकुर भी भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ थे। कुल्लू में उन्होंने ब्यास नदी में आई बाढ़ और भारी बारिश से हुए भयावह नुकसान का आकलन किया और त्रासदी से प्रभावित लोगों के साथ मुलाक़ात भी की। मनाली में उन्होंने सासे और आलू ग्राउंड और उसके आसपास के इलाकों में प्राकृतिक आपदा के कारण आई भीषण तबाही का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह लगातार हिमाचल प्रदेश की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। जिस तरह बिना समय गंवाए बिना एनडीआरएफ की 13 टीमों को वहां राहत व बचाव कार्यों के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लगाया है, वह देवभूमि के प्रति भारत सरकार की संवेदनशीलता को दिखाता है। नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड के तहत गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को 180.40 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी कर दी है, जिसका लाभ राहत-बचाव व पुनर्वास कार्यों को मिलेगा। स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड के तहत भी केंद्र सरकार ने 42 करोड़ 80 लाख रुपये जारी किये हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि गृह मंत्रालय ने 1 PARA SF के 01 Column, 02 MI-17 V हेलिकॉप्टर और 205 आर्मी एवियेशन स्क्वाड्रन को भी राहत और बचाव कार्यों के लिए हिमाचल प्रदेश में तैनात किया है। हजारों लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। ■

'देश में सुशासन और गरीब कल्याण की एकमात्र पार्टी भाजपा है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 जुलाई, 2023 को वडोदरा में 'कार्यकर्ता संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जहां नेता भी है, नीति भी है, नियत भी है, कार्यकर्ता भी है और योजनाएं भी हैं। उन्होंने कहा कि देश में सुशासन और गरीब कल्याण की एकमात्र पार्टी भारतीय जनता पार्टी है। देश की अन्य पार्टियां परिवार की पार्टी में बदल गयी है। भाजपा को छोड़कर कोई पार्टी नहीं रही है, जिसमें साधारण कार्यकर्ता प्रधानमंत्री या राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता हो।

श्री नड्डा ने कहा कि गुजरात में देश की लगभग 6 प्रतिशत आबादी रहती है, लेकिन भारत के जीडीपी में गुजरात का योगदान 8 प्रतिशत है। इंडस्ट्रियल आउटपुट में गुजरात का योगदान 18 प्रतिशत है। गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पिछड़ों के लिए गुजरात एक साल में अपने बजट में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान करता है। गुजरात की भाजपा सरकार ने लगभग 1.5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी है। मुख्यमंत्री अमृतम योजना, वणोत्सव स्कीम, विद्या लक्ष्मी बॉंड स्कीम, मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना— ये सारी योजनाएं महिलाएं, युवाओं और किसानों को सशक्त करती हैं। गुजरात में पीएम आवास योजना के तहत लगभग 16 लाख आवास बने हैं, 42 लाख शौचालय बने हैं, 26 लाख घरों को जल जीवन मिशन के तहत नल से जल योजना से जोड़ा गया है। 'पीएम किसान निधि' से देश के 10 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हो रहे हैं और आयुष्मान भारत से लगभग 55 करोड़ लाभान्वित हो रहे हैं। ■

नीतीश सरकार की तानाशाही के विरोध में भाजपा ने किया पैदल मार्च का आयोजन

भारतीय जनता पार्टी, बिहार प्रदेश द्वारा नीतीश कुमार की सरकार की तानाशाही, वादाखिलाफी और आम जनता के हितों के खिलाफ लिए जा रहे फैसलों के विरोध में 13 जुलाई, 2023 को बिहार की राजधानी पटना स्थित गांधी मैदान से बिहार विधानसभा तक पैदल मार्च का आयोजन किया गया। पैदल मार्च में पूरे बिहार के हजारों लोग अपना समर्थन देते हुए पहुंचे। इस दौरान नीतीश कुमार द्वारा पुलिसिया गुंडागर्दी दिखाते हुए हजारों मासूम लोगों पर बेरहमी से लाठीचार्ज, आंसू गैस और वाटर केनन का इस्तेमाल किया गया।

नीतीश कुमार द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर क्रूरता की हद पार करने पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और बिहार प्रभारी श्री विनोद तावड़े ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की सरकार कर्तव्यहीन, दिशाहीन और निरंकुश हो गई है। लगातार शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले निहत्थे और निरीह लोगों पर लाठियां चलवाने का काम करनेवाली महागठबंधन की सरकार ने बापू और जेपी के विचारों का पूर्णतः त्याग करके उन्हें गंगा जी में प्रवाहित कर दिया है।

राजद-जदयू-कांग्रेस सरकार द्वारा लोकतंत्र की हत्या और बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण

श्री तावड़े ने कहा कि नीतीश सरकार ने पूर्वनियोजित तरीके से पानी, आंसू गैस और लाठी के द्वारा भाजपा मोर्चे में आई जनता को पीटना शुरू किया है। एक शांतिपूर्ण मोर्चे पर इस प्रकार लाठी बरसाना सरेआम गुंडागर्दी है और नीतीश जी और तेजस्वी यादव जी के इस गुंडाराज को आज बिहार की जनता भुगत रही है। और जब इसके विरोध में लोग सड़क पर उतरे तो, लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी से लोकतंत्र की सीख लेने वाले नीतीश जी उसी लोकतंत्र के विरुद्ध काम कर रहे हैं। इस बात पर धिक्कार है!

उन्होंने भाजपा के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ता और जहानाबाद के महामंत्री श्री विजय कुमार सिंह जी की लाठीचार्ज से हुई मृत्यु पर शोक जताते हुए कहा कि, "मैं स्तब्ध हूं! एक पूर्णतः लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण मार्च में नीतीश कुमार की पुलिसिया कार्रवाई में लाठियों से पीटकर भाजपा जिला महामंत्री विजय कुमार सिंह जी की हत्या कर दी गई। उन्होंने महागठबंधन सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि विजय जी का निधन इस गठबंधन सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। ■

बिहार लाठीचार्ज पर उच्च स्तरीय जांच कमेटी ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपी रिपोर्ट

बिहार में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं पर पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज पर गठित उच्च स्तरीय जांच समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट 19 जुलाई, 2023 को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को सौंप दी।

इस अवसर पर श्री नड्डा ने कहा पटना में भाजपा कार्यकर्ताओं पर नीतीश सरकार द्वारा लाठीचार्ज के संदर्भ में गठित की गई भाजपा की जांच समिति से घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त हुई। यह बिहार में व्याप्त जंगलराज, अराजकता और विपक्षी दलों के प्रति राज्य सरकार की क्रूरता एवं असंवेदनशीलता को अनावृत्त करती है। नीतीश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पटना में 13 जुलाई, 2023 को पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर हुए पुलिस प्रशासन की बबर्रता एवं राज्य सरकार के तानाशाही रवैये की घोर निंदा की है तथा पुलिस लाठीचार्ज में मारे गये पार्टी कार्यकर्ता श्री विजय सिंह की मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। पुलिस द्वारा किये गये इस लाठीचार्ज में में कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता घायल हुए। श्री नड्डा ने इस संबंध में एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया था।

इस जांच समिति में श्री रघुवरदास (पूर्व मुख्यमंत्री) संयोजक एवं श्री मनोज तिवारी (सांसद), श्री विष्णु दयाल राम (सांसद) व श्रीमती सुनीता दुग्गल (सांसद) सदस्य के रूप में शामिल थे। ■

महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पर जांच समिति ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपी

पश्चिम बंगाल में हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और अत्याचारों की जांच के लिए गठित भाजपा की महिला सांसदों की पांच सदस्यीय जांच समिति ने 20 जुलाई, 2023 को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

एक ट्विटर संदेश में श्री नड्डा ने कहा, "पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान महिलाओं पर हुई हिंसा और अत्याचारों की जांच के लिए गठित भाजपा जांच टीम की रिपोर्ट प्राप्त हुई।"

श्री नड्डा ने एक छवि के साथ संदेश पोस्ट किया जिसमें पैनल की संयोजक सुश्री सरोज पांडे को सदस्यों के साथ उन्हें रिपोर्ट सौंपते हुए देखा जा सकता है।

यह रिपोर्ट पश्चिम बंगाल में अराजकता की पूरी स्थिति और राजनीतिक विरोधियों के प्रति राज्य सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है। भाजपा लोगों पर इस अत्याचार को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

बंगाल में कुछ दिन पहले हुए पंचायत चुनाव में जो हिंसा हुई वह आप सबको पता है। ये हिंसा पश्चिम बंगाल की राजनीति के साथ बहुत वर्षों से जुड़ी हुई है, लेफ्ट के शासनकाल में भी वहां हिंसा होती थी। 2011 में ममता बनर्जी ने बंगाल के लोगों को अपनी सरकार आने के बाद आश्वासन दिया था कि ये हिंसा बंद होगी, लेकिन परिवर्तन कुछ नहीं हुआ बल्कि ममता जी की सरकार में हिंसा और ज्यादा बढ़ गई है।

- सुकांत मजूमदार, अध्यक्ष, भाजपा, पं. बंगाल

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, "यह रिपोर्ट पश्चिम बंगाल में अराजकता की पूरी स्थिति और राजनीतिक विरोधियों के प्रति राज्य सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है।" श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा लोगों पर इस अत्याचार को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।

उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी ने 17 जुलाई, 2023 को पश्चिम बंगाल में हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा के दौरान राज्य में महिलाओं के खिलाफ हुए अत्याचारों पर एक रिपोर्ट सौंपने के लिए पार्टी की महिला सांसदों की पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति में सांसदों में सुश्री सरोज पांडे, श्रीमती रमा देवी, श्रीमती अपराजिता सारंगी, सुश्री कविता पाटीदार और श्रीमती संध्या राय शामिल हैं। समिति ने पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री सुवेंदु अधिकारी ने भी हिंसा के शिकार भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए हावड़ा जिले के बारुईपुर और दक्षिण 24 परगना जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों का दौरा किया।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के कई जिलों में स्थानीय निकाय चुनाव के दौरान भीषण हिंसा हुई थी, जिसमें राज्य में अनेक लोगों की मौत हो गई थी। ■

नरेन्द्र सिंह तोमर बने मध्य प्रदेश चुनाव प्रबन्धन समिति के संयोजक

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 जुलाई, 2023 को केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश चुनाव प्रबन्धन समिति का संयोजक नियुक्त किया।

5 वर्षों में 13.5 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए

वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच बहुआयामी गरीबी वाले व्यक्तियों की संख्या 24.85 प्रतिशत से गिरकर 14.96 प्रतिशत हो गई

नीति आयोग के 'राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांकः एक प्रगति संबंधी समीक्षा 2023' के अनुसार वर्ष 2015-16 से 2019-21 की अवधि के दौरान रिकॉर्ड 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए। 17 जुलाई को जारी नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बहुआयामी गरीबों की संख्या जो वर्ष 2015-16 में 24.85% थी गिरकर वर्ष 2019-2021 में 14.96% हो गई, जिसमें 9.89% अंकों की उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। इस अवधि के दौरान शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65 प्रतिशत से गिरकर 5.27 प्रतिशत हो गई, इसके मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों की गरीबी तीव्रतम गति से 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत हो गई है।

उत्तर प्रदेश में 3.43 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए, जो कि गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट है। 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों और 707 प्रशासनिक जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी संबंधी अनुमान प्रदान करने वाली रिपोर्ट से पता चलता है कि बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे तीव्र कमी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान राज्यों में हुई है।

एमपीआई मूल्य 0.117 से लगभग आधा होकर 0.066 हो गया है और वर्ष 2015-16 से 2019-21 के बीच गरीबी की तीव्रता 47% से घटकर 44% हो गई है, जिसके फलस्वरूप भारत 2030 की निर्धारित समय सीमा से काफी पहले एसडीजी लक्ष्य 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा कम करने का लक्ष्य) को हासिल करने के पथ पर अग्रसर है। इससे सतत और सबका विकास सुनिश्चित करने और वर्ष 2030 तक गरीबी उन्मूलन पर सरकार का रणनीतिक फोकस और एसडीजी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का पालन परिलक्षित होता है।

स्वच्छता, पोषण, रसोई गैस, वित्तीय समावेशन, पेयजल और बिजली तक पहुंच में सुधार पर सरकार के समर्पित फोकस से इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के सभी 12 मापदंडों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने स्वास्थ्य में अभावों को कम करने में योगदान प्रदान किया है, जबकि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और जल जीवन मिशन (जेजेएम) जैसी पहलों ने देशभर में स्वच्छता संबंधी सुधार किया है। स्वच्छता अभावों में इन प्रयासों के प्रभाव के परिणामस्वरूप तेजी से और स्पष्ट रूप से 21.8% अंकों का सुधार हुआ है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के माध्यम से सब्सिडी वाले रसोई गैस के प्रावधान ने जीवन को सकारात्मक रूप से बदल दिया है और रसोई गैस की कमी में 14.6% अंकों का सुधार हुआ है। सौभाग्य, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) और समग्र शिक्षा जैसी पहलों ने भी बहुआयामी गरीबी को कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

विशेष रूप से बिजली के लिए अत्यन्त कम अभाव दर, बैंक खातों तक पहुंच तथा पेयजल सुविधा के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति प्राप्त करना नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने तथा सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दर्शाती है। आपस में अत्यधिक जुड़े हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और पहलों के लगातार कार्यान्वयन से कई संकेतकों में होने वाले अभावों में उल्लेखनीय कमी आई है। ■

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.65 प्रतिशत बढ़कर 5.17 लाख करोड़ रुपये रहा

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़ों में 9 जुलाई, 2023 तक लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। 9 जुलाई, 2023 तक हुए प्रत्यक्ष कर संग्रह से पता चलता है कि सकल संग्रह 5.17 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के सकल संग्रह की तुलना में 14.65% अधिक है।

धन वापसी (रिफंड) के बाद प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.75 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के शुद्ध संग्रह की तुलना में 15.87% अधिक है। यह संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर के कुल बजट अनुमान का 26.05% है।

1 अप्रैल, 2023 से 9 जुलाई, 2023 के दौरान धन वापसी (रिफंड) के तौर पर 42,000 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान जारी की गयी धन वापसी (रिफंड) से 2.55% अधिक है। ■

जीएसटी परिषद् ने नकली ज़री धागा समेत कई वस्तुओं पर टैक्स 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की

असामान्य बीमारियों के उपचार में उपयोग की जाने वाली दवाओं और विशेष चिकित्सा उद्देश्यों के खाद्य पदार्थों पर आईजीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 11 जुलाई को संपन्न हुई माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद् की 50वीं बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ जीएसटी टैक्स की दरों में बदलाव, व्यापार की सुविधा से जुड़े उपायों और जीएसटी-अनुपालन को सुव्यवस्थित करने के उपायों से संबंधित सिफारिशें की गईं। जीएसटी परिषद् की प्रमुख सिफारिशें निम्न हैं:

- बिना पके/बिना तले हुए स्नैक पेलेट्स, चाहे किसी भी नाम से जाना जाए, पर दर को घटाकर 5% करने और पिछली अवधि के दौरान बिना पके/बिना तले हुए स्नैक पेलेट्स पर जीएसटी के भुगतान को 'जैसा है आधार' पर नियमित करने का निर्णय लिया गया है।
- नकली ज़री धागे या कारोबारी की भाषा में किसी भी नाम से जाने जाने वाले धागे पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने और पिछली अवधि के दौरान इस मामले से संबंधित जीएसटी भुगतान को 'जैसा है आधार' पर नियमित करने का निर्णय लिया गया है।
- एलडी स्लैग के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहित करने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए इस उत्पाद पर जीएसटी दर को 18% से घटाकर 5% करने का निर्णय लिया गया है।
- मछली घुलनशील पेस्ट पर जीएसटी दर 18% से घटाकर 5% करने और पिछली अवधि के दौरान मछली घुलनशील पेस्ट पर जीएसटी के भुगतान को 'जैसा है आधार' पर नियमित करने का निर्णय लिया गया है।

स्टार्ट अप को प्रोत्साहन

- जीएसटी परिषद् में यह निर्णय लिया गया कि स्टार्ट अप को प्रोत्साहित करने के लिए इसरो, एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड और न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) द्वारा आपूर्ति की जाने वाली उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं पर जीएसटी छूट का विस्तार निजी क्षेत्र के संगठनों द्वारा आपूर्ति की जाने वाली ऐसी सेवाओं के लिए भी किया जा सकता है।
- कैसीनो, घुड़दौड़ और ऑनलाइन गेमिंग; तीनों पर 28% की एक समान दर से टैक्स लगाया जाएगा।
- व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयात किए जाने पर डिनुटुक्सिमैब (क्वार्जिबा) दवा पर आईजीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया है।
- राष्ट्रीय नीति, 2021 के तहत सूचीबद्ध असामान्य बीमारियों के उपचार में उपयोग की जाने वाली दवाओं और विशेष चिकित्सा उद्देश्यों (एफएसएमपी) के खाद्य पदार्थों पर आईजीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया है, जब इन्हें व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयात किया जाता है, लेकिन यह मौजूदा शर्तों के अधीन होगी। ■

प्रधानमंत्री ने 1,44,000 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थों को नष्ट करने की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की

भारत ने केवल एक वर्ष में 12,000 करोड़ रुपये मूल्य के एक मिलियन किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट करने का एक आश्चर्यजनक रिकॉर्ड बनाया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 जुलाई को 1,44,000 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थों को नष्ट किए जाने के साथ भारत द्वारा मादक पदार्थों के उन्मूलन की दिशा में हासिल की गई ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की।

एक ट्वीट में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि इस उपलब्धि के साथ भारत ने केवल एक वर्ष में 12,000 करोड़ रुपये मूल्य के एक मिलियन किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट करने का एक आश्चर्यजनक रिकॉर्ड बनाया है।

'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई। यह प्रधानमंत्री के नशा-मुक्त भारत के सपने को साकार करने की दिशा में गृह मंत्रालय की दृढ़ एवं अथक कोशिशों का एक उदाहरण है।

अपने जवाब में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ट्वीट किया कि बहुत बढ़िया! भारत को मादक पदार्थों के खतरे से मुक्त कराने के हमारे प्रयासों को इससे ताकत मिलती है। ■

रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने फ्रांस से 26 राफेल समुद्री विमानों की खरीद के प्रस्तावों को दी मंजूरी

साथ ही, बाई (भारतीय) श्रेणी के तहत तीन अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बियों के अधिग्रहण को भी स्वीकृति प्रदान की गई

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रक्षा अधिग्रहण परिषद् (डीएसी) की बैठक में 13 जुलाई, 2023 को तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। डीएसी ने 26 राफेल समुद्री विमानों की खरीद के साथ-साथ अंतर-सरकारी समझौते (आईजीए) के आधार पर फ्रांस की सरकार से भारतीय नौसेना के लिए सहायक उपकरण, हथियार, सिम्युलेटर, कल-पुर्जे, दस्तावेज़, चालक दल प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक समर्थन के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) का अनुमोदन किया।

दूसरे देशों द्वारा इसी प्रकार के विमान के खरीद मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन समेत अन्य प्रासंगिक पहलुओं को ध्यान में रखने के बाद फ्रांस सरकार के साथ कीमत और खरीद की अन्य शर्तों पर बातचीत की जाएगी। इसके अलावा, उचित बातचीत के चरणों के बाद भारत में डिज़ाइन किए गए उपकरणों के एकीकरण तथा विभिन्न प्रणालियों के रखरखाव, मरम्मत और परिचालन (एमआरओ) हब की स्थापना को अनुबंध दस्तावेजों में शामिल किया जाएगा।

डीएसी ने बाई (भारतीय) श्रेणी के तहत तीन अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद के लिए एओएन का अनुमोदन किया, जिसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा किया जाएगा। उच्च स्वदेशी कल-पुर्जों वाली अतिरिक्त पनडुब्बियों की खरीद से न केवल भारतीय नौसेना के आवश्यक बल स्तर और परिचालन तैयारी को बनाए रखने में मदद मिलेगी, बल्कि घरेलू क्षेत्र में रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर भी सृजित होंगे। इससे एमडीएल को पनडुब्बी निर्माण में अपनी क्षमता और विशेषज्ञता को बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, डीएसी ने अधिग्रहण के बड़े मामलों की सभी श्रेणियों में वांछित स्वदेशी कल-पुर्जों को हासिल करने के लिए दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिये जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इससे स्वदेशी विनिर्माण के माध्यम से महत्वपूर्ण विनिर्माण प्रौद्योगिकियों और रक्षा प्लेटफार्म/उपकरणों के जीवन-चक्र निर्वाह में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने में मदद मिलेगी। ■

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में कोयले का कुल उत्पादन अब तक का सर्वाधिक 223.36 मिलियन टन रहा

अप्रैल-जून 2023 के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड के उत्पादन में 9.85 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। जून, 2023 के अंत तक कोयले के भंडार में 37.62 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई

कोयला मंत्रालय द्वारा 21 जुलाई को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारत के कोयला क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 223.36 मिलियन टन (एमटी) का अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन दर्ज करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की। इस प्रकार वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि की तुलना में हुए 205.76 मीट्रिक टन उत्पादन की तुलना में 8.55 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अप्रैल और जून, 2023 के मध्य 175.48 मीट्रिक टन कोयले का उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुए 159.75 मीट्रिक टन की उत्पादन की तुलना में 9.85 प्रतिशत की प्रशंसनीय वृद्धि दर को दर्शाता है। कोयला उत्पादन में हो रही यह लगातार वृद्धि भारत की ऊर्जा मांगों को पूरा करने और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जहां तक कोयले की उपलब्धता का संबंध है, देश में जून, 2023 के अंत के दौरान कोयले का पर्याप्त भंडार उपलब्ध रहा है, जो 107.15 मीट्रिक टन (कोयला कंपनियों के पास 67 मीट्रिक टन, टीपीपी (डीसीबी) के साथ 33.61 मीट्रिक टन और निजी वाशरीज/गुड शेड साइडिंग/बंदरगाहों पर 6.54 मीट्रिक टन) है, अब पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 37.62 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। कोयले के पर्याप्त भंडार की उपलब्धता कोयले पर निर्भर विभिन्न क्षेत्रों के लिए निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करती है, जिससे राष्ट्र की समग्र ऊर्जा सुरक्षा में योगदान प्राप्त होता है।

कोयले के उत्पादन में भारत की यह उपलब्धि कोयला उद्योग के ठोस प्रयासों और देश की बढ़ती हुई ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रिकॉर्ड तोड़ने वाले आंकड़े न केवल उद्योग के लचीलेपन को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि सतत विकास के लिए प्रयास करते हुए बाजार की स्थितियों के अनुकूल होने की अपनी क्षमता को भी दर्शाते हैं। ■

भारत का तीसरा चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' श्रीहरिकोटा से चंद्रमा की यात्रा पर रवाना

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश स्थित श्रीहरिकोटा प्रक्षेपण केंद्र से 14 जुलाई को एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए अपने तीसरे चंद्र मिशन— 'चंद्रयान-3' को प्रक्षेपित किया। एलवीएम3-एम4 रॉकेट अपनी श्रेणी में सबसे बड़ा और भारी है। यह 'चंद्र मिशन' 2019 के 'चंद्रयान-2' का अनुवर्ती मिशन है। प्रक्षेपण देखने के लिए मौजूद हजारों दर्शक चंद्रयान-3 के रवाना होते ही खुशी से झूम उठे।

उल्लेखनीय है कि इसरो ने पूर्व में कहा था कि 'चंद्रयान-3' कार्यक्रम के तहत इसरो अपने चंद्र मॉड्यूल की मदद से चंद्र सतह पर 'सॉफ्ट-लैंडिंग' और चंद्र भूभाग पर रोवर के घूमने का प्रदर्शन करके नई सीमाएं पार करने जा रहा है। एलवीएम3एम4 रॉकेट को पूर्व में जीएसएलवीएमके3 कहा जाता था।

अगस्त के अंत में 'चंद्रयान-3' की 'सॉफ्ट लैंडिंग' की योजना बनाई गई है। उम्मीद है कि यह मिशन भविष्य के अंतरग्रही अभियानों के लिए सहायक होगा।

चंद्रयान-3 मिशन में एक स्वदेशी प्रणोदन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और एक रोवर शामिल है जिसका उद्देश्य अंतर-ग्रहीय अभियानों के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करना और प्रदर्शित करना है।

यह मिशन; एलवीएम3 की चौथी अभियानगत उड़ान है, जिसका उद्देश्य 'चंद्रयान-3' को भू-समकालिक कक्षा में प्रक्षेपित करना है।

इसरो ने कहा कि एलवीएम3 रॉकेट ने कई उपग्रहों को प्रक्षेपित करने, अंतरग्रही अभियानों सहित अधिकतर जटिल अभियानों को पूरा करने करने की अपनी विशिष्टता साबित की है। इसने कहा कि यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ग्राहक उपग्रहों को ले जाने वाला सबसे बड़ा और भारी प्रक्षेपण यान भी है।

Image tweeted by @chandrayaan_3

चंद्रयान-3 हमारे देश की आशाओं और सपनों को साकार करेगा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 जुलाई को भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 के महत्व का उल्लेख किया। ट्वीट की एक श्रृंखला में प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां तक भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का प्रश्न है; 14 जुलाई, 2023 हमेशा स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। हमारा तीसरा चंद्र मिशन चंद्रयान-3 अपनी यात्रा का शुभारंभ करेगा। यह उल्लेखनीय मिशन हमारे देश की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा।

उन्होंने कहा कि कक्षा में भेजने की प्रक्रिया के बाद चंद्रयान-3 को चंद्र स्थानांतरण प्रक्षेप पथ में भेजा जाएगा। 3,00,000 किमी से अधिक की दूरी तय करते हुए यह आने वाले हफ्तों में चंद्रमा पर पहुंचेगा। चंद्रयान पर मौजूद वैज्ञानिक उपकरण चंद्रमा की सतह का अध्ययन करेंगे और हमारे ज्ञान को बढ़ाएंगे।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद; अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का इतिहास बहुत समृद्ध है। चंद्रयान-1 को वैश्विक चंद्र मिशनों में एक पथ प्रदर्शक माना जाता है, क्योंकि इसने चंद्रमा पर जल के अणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की है। यह दुनिया भर के 200 से अधिक वैज्ञानिक प्रकाशनों में प्रकाशित हुआ।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान-1 तक चंद्रमा को एक पूर्ण रूप शुष्क, भूवैज्ञानिक रूप से निष्क्रिय और निर्जन खगोलीय पिंड माना जाता था। अब इसे जल और इसकी उप-सतह पर बर्फ की उपस्थिति के साथ एक गतिशील और भूवैज्ञानिक रूप से सक्रिय खगोलीय खंड के रूप में देखा जाता है। हो सकता है कि भविष्य में इस पर संभावित रूप से निवास किया जा सके।

श्री मोदी ने कहा कि चंद्रयान-2 भी उतना ही महत्वपूर्ण था, क्योंकि इससे जुड़े ऑर्बिटर के डेटा ने पहली बार रिमोट सेंसिंग के माध्यम से क्रोमियम, मैंगनीज और सोडियम की उपस्थिति का पता लगाया था। इससे चंद्रमा के मैगमैटिक विकास के बारे में अधिक जानकारी भी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान-2 के प्रमुख वैज्ञानिक परिणामों में चंद्र सोडियम के लिए पहला वैश्विक मानचित्र, क्रेटर आकार वितरण पर उन्नत जानकारी, आईआईआरएस उपकरण के साथ चंद्र सतह पर जल से निर्मित बर्फ का स्पष्ट रूप से पता लगाना और बहुत कुछ शामिल है। यह मिशन लगभग 50 प्रकाशनों में प्रकाशित हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के लिए शुभकामनाएं। मैं आप सभी से इस मिशन और अंतरिक्ष, विज्ञान एवं नवाचार में की गई देश की प्रगति के बारे में और अधिक जानने का आग्रह करता हूं। इससे आप सभी बेहद गौरवान्वित महसूस करेंगे। ■

परम सुख का मार्ग

– दीनदयाल उपाध्याय

मनुष्य की सभी क्रियाओं का उद्देश्य एक ही है—आनंद अथवा सुख की प्राप्ति। वैसे तो संपूर्ण सृष्टि ही आनंदमय है। प्रत्येक प्राणी वही कार्य करता है, जो उसके लिए सुखकारक है। प्राणी ही क्यों, जड़ पदार्थों में भी जितना कुछ होता है, वह सभी आनंद प्राप्ति के लिए है। संपूर्ण चराचर सृष्टि में एक ही आनंद का नाम गुंजित हो रहा है। साधारण जीवधारी अन्य प्राणी भी सुख के लिए ही क्रियाएं करते हैं। कुत्ते को डंडा दिखाया तो वह भागता है और रोटी दिखाई तो वह समीप आता है। एक समय भागने और दूसरे समय समीप आने की यह क्रिया उसकी सुख कामना ही है। तब मनुष्य तो विकसित प्राणी है। इसलिए इस संबंध में कोई विशेष तर्क देने की आवश्यकता नहीं है कि मनुष्य की समस्त क्रियाओं का उद्देश्य सुख प्राप्ति ही है।

विचारणीय प्रश्न है कि सुख क्या है? इस संबंध में मनोविज्ञान शास्त्र के विद्वानों ने एक प्रयोग किया। एक ऐसी परखनली के एक रास्ते के छोर पर एक कीड़ा रख दिया। शेष बचे दो रास्तों में से बाईं ओर से रास्ते पर बिजली का करंट जोड़ दिया। यह कीड़ा आगे बढ़कर जब बाईं ओर जाता था तो उसे बिजली के प्रवाह का धक्का लगता था। वह वापस आता था। बार-बार उस कीड़े ने बिजली का धक्का खाया और दाहिनी ओर के रास्ते पर मुड़ा। दस-बारह बार ऐसा होने पर उस कीड़े ने बाईं ओर के रास्ते पर जाना ही बंद कर दिया। जब परखनली के एक रास्ते के छोर पर उसे छोड़ा जाता, तो वह सावधानी से बाईं ओर का रास्ता छोड़कर दाहिनी ओर आगे बढ़ता। वैज्ञानिकों ने इस पर से निष्कर्ष निकाला कि अनुकूल वेदना ही सुख है। सर्वसाधारण प्राणिमात्र की यही प्रकृति है, सुख की ओर बढ़ना और दुःख से दूर हटना है।

किंतु इस सुख की अनुभूतियों में भी बड़ा अंतर है। सुख की अनुभूतियां भिन्न-भिन्न प्रकार की होती हैं। मनुष्य को भोजन करने, पानी पीने, ठंड, गरमी, वर्षा से शरीर को बचाने, सुगंधित पुष्प की गंध लेने, रंग-बिरंगे दृश्यों का अवलोकन करने कितनी ही प्रकार की अनुभूतियां होती हैं। वह इनमें आनंद का अनुभव करता है। वे इंद्रियजन्य सुख हैं। इंद्रियों से इनका उपभोग किया जाता है। इन सुखों के संबंध में हमारे यहां कहा गया है कि ये मनुष्य तथा अन्य प्राणियों में समान ही होते हैं। आहार, निद्रा, भय, मैथुन आदि से जो अनुकूल वेदना होती है, उसे मनुष्य और पशु में समान पाया जानेवाला सुख कहा गया है।

मनुष्य और पशु में अंतर केवल यही है कि मनुष्य का कुछ-न-कुछ जीवन लक्ष्य होता है। पशु का लक्ष्य नहीं होता। लक्ष्य ही मनुष्य में मनुष्यत्व समझा जाता है। लक्ष्यहीन मनुष्य तो निरा पशु ही है। इस लक्ष्य के कारण ही मनुष्य की विशेषता है। इसलिए इंद्रिय तथा उनके विषयों के संयोग से प्राप्त सुख को मनुष्य के लिए राजस सुख माना गया है।

यह इंद्रियजन्य सुख क्षणिक होता है। किंतु यह सुख भी कई बार फीका लगता है।

एक कम्युनिस्ट ने अपने एक मित्र से अत्यंत ही आग्रहपूर्वक कहा कि दुनिया में सबसे बड़ा सवाल रोटी का है। मित्र ने उससे पूछा कि क्या दुनिया का सबसे बड़ा सवाल यही मानते हो? उसने जब हां कहा तो मित्र बोला कि ठीक है, मैं इसे सुलझाऊंगा। कल से मेरे घर आना आपको रोज भरपेट स्वादिष्ट भोजन कराऊंगा। किंतु एक शर्त है कि रोज शाम को इसी स्थान पर खड़ा कर चार जूते भी लगाऊंगा। कम्युनिस्ट सज्जन द्वारा इसका कारण पूछने पर मित्र ने कहा, इसमें आपका क्या बिगड़ता है? आपका सवाल रोटी का है। वह पूरा होना चाहिए। यह दूसरा सवाल मेरा है, इसे मुझ पर छोड़ दो। इस विनोद में भी बड़ा महत्त्वपूर्ण रहस्य छिपा है। रहस्य यह है कि सुख इंद्रियों तक ही सीमित नहीं है। इसका संबंध किसी अन्य वस्तु से भी है।

एक सज्जन नासिक जाकर तर्पण कर रहे थे। उनके एक मित्र भी साथ थे, जिनका तर्पण में विश्वास नहीं था। इसलिए उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि यह क्या कर हो हो ? उक्त सज्जन ने कहा कि पितरों को पानी दे रहा हूं। मित्र ने पूछा, भला यहां दिया हुआ पानी उन्हें किस प्रकार मिलेगा? तो उक्त सज्जन ने इसका बिना कुछ उत्तर दिए मित्र के पिताजी को ज़ोर-ज़ोर से गाली देना शुरू कर दिया। इस पर मित्र भी बहुत क्रोधित हो उठा। वह बोला, यदि तुम्हें तर्क नहीं सूझता तो मुझे गाली दे दो, मेरे पिता को गाली देना मैं सहन नहीं कर सकता। तब उक्त सज्जन ने शांत भाव से कहा, "मित्र, तुम्हारे पिता तो घर पर हैं, यहां दी हुई गालियां उनके पास तक तो नहीं पहुंच सकतीं। तब व्यर्थ में क्यों उत्तेजित होकर चिंता करते हो?" इस प्रकार मित्र को प्रश्न का सही उत्तर मिल गया था कि यह सब मन को अच्छा लगने की बात है। भावना का प्रश्न है।

उद्धव चरित में कहा गया है, "उद्धव मन माने की बात।" गोपियों को उद्धव समझाने लगे तो गोपियों ने इनकार कर दिया। वे बोलीं कि भाई, यह अपने-अपने मन का प्रश्न है। हम निराकार निर्गुण की आराधना करके प्रसन्न नहीं हो सकतीं। हमें तो हमारा खेलने-कूदने, लीला करनेवाला कृष्ण ही चाहिए। इसलिए केवल इंद्रियजन्य सुख से काम नहीं चलता, मन का भी सुख ज़रूरी होता है। अन्यथा सामने थाली में रखा हुआ स्वादिष्ट भोजन भी विष के समान लगने लगता है और व्यक्ति उसे ठोकर मारकर उठ जाता है।

इसके साथ मनुष्य के पास बुद्धि भी है। वह चिंतन करता है। चिंतन का भी सुख है। अन्य प्राणियों के पास इतनी विकसित बुद्धि नहीं, जितनी मनुष्य के पास है। वह क्षणिक और शाश्वत सुख के भेद को समझना चाहता है। कौन सा सुख स्थायी एवं चिरंतन होगा, जो अधिक समय तक मिलता रहेगा और कौन सा सुख क्षणिक एवं परिणाम में महान् दुःखदायी होगा? इसका विचार मनुष्य कर

लेना चाहता है। वह विवेक का प्रयोग करने लगता है। व्यक्ति सोचता है कि हीरा छोड़कर कांच का टुकड़ा क्यों ले? जिस मुख से अमृत चख लिया, उसमें करील के कड़वे फल क्यों डाले? इसलिए वह बुद्धि का भी सुख चाहता है।

जीवन लक्ष्य, जिसे अपनी बुद्धि द्वारा स्वयं स्वीकृत किया है, उसके सुख-दुःख की वेदनाओं का निकष बनता है। लक्ष्य की ओर बढ़ते समय मार्ग के कांटे भी उसे सुखकर लगते हैं। सत्य के लिए वह लाख कष्ट झेलने में आनंद का अनुभव करता है। अपनी मान्यताओं को स्थापित करने के लिए वह चाहे जिस वस्तु का त्याग कर सकता है। केवल मन का सुख उसे संतुष्ट नहीं कर पाता। मन तो चंचल है हजार प्रकार की बातों में रमते रहने का काम मन का है। इस मन को वश में कर एकाग्र करने से मनुष्य लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है। इसलिए उसे बुद्धि का सुख भी अनुभव होता है। गोस्वामी तुलसीदासजी के संबंध में ऐसी ही एक शिक्षाप्रद कथा है। वे अपनी पत्नी को इतना अधिक चाहते थे कि उसके बिना रह नहीं सकते थे। एक बार पत्नी अपने पिता के घर गई। मोह-अवस्था में व्याकुल होकर तुलसीदासजी भी भागे-भागे ससुराल पहुंच गए। कहा जाता है कि वर्षा के दिन थे, नदी उफन रही थी तो उसमें बहते हुए एक मुरदे को ही पकड़कर वे नदी पार हो गए। इधर ससुराल पहुंचने पर दरवाजे बंद थे तो खिड़की से लटकते हुए एक सांप को रस्सी मानकर पकड़ अंदर पहुंच गए। पत्नी को जगाया। पत्नी ने उन्हें धिक्कारा। बस, तब उनके मन के ऊपर छाया हुआ मोह छंट गया। बुद्धि ने प्रकाश पाया। सचमुच पत्नी के इन शब्दों में बड़ा सुख भरा हुआ दिखाई दिया कि हाड़-मांस के इस शरीर से इतना प्यार करते हो, वैसा ही यदि श्री रघुवीर के प्रति होता तो कल्याण हो जाता। वे इस सुख की ओर बढ़े और रामचरित मानस की रचना कर अपार आनंद को प्राप्त हुए।

तथापि बुद्धि का सुख भी अंतिम चिरानंद सुख नहीं है। बुद्धि से भी ऊपर आत्मा का सुख है। मां बच्चे को गोद में लेकर आत्मिक सुख का अनुभव करती है। यह आत्मा की विशालता का सुख है। इसके सामने अन्य सभी सुख तुच्छ हैं। भयमुक्त और स्वार्थमुक्त होने पर सिवाय आनंद के अन्य कुछ रह ही नहीं जाता। इसलिए व्यक्ति इसकी खोज में विशालता स्वीकार करता जाता है।

इस प्रकार शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा चारों प्रकार के सुख की प्राप्ति ही जीवन लक्ष्य है।

तथापि इस सुख की प्राप्ति कोई भी मानव अकेले नहीं कर सकता। स्वयं के परिश्रम से वह पूर्ण सुखी नहीं हो सकता। इसके लिए समाज के साथ उसके संबंधों का प्रश्न आ उपस्थित होता है। जैसे हम जो भोजन करते हैं, वह केवल हमारे परिश्रम का ही फल नहीं है। अनेक बंधुओं का उसमें सहयोग है। रोटी पकानेवाले रसोइए से लेकर, दुकानदार, मंडी के नौकर-चाकर और किसान तक कितने ही लोग हैं, जो हमारे सुख के लिए कारण बने हैं। इसी प्रकार हमारे प्रत्येक सुख में अनेक लोगों का हाथ है।

इतना ही क्यों, यदि समस्त सुखोपयोग के साधन हों और व्यक्ति अकेला हो, तो भी वह दुःखी हो उठता है। कभी-कभी बहुत साधन संपन्न लोगों के मुंह से निकली हुई यह आह सुनी होगी कि "भाई, सब कुछ है किंतु इसका क्या उपयोग? हृदय भारी रहता है कि कोई अपना हो तो इसका उपभोग करे।" इसलिए सुख के लिए परोपकार का बड़ा यश गाया है। आपस में एक-दूसरे के साथ समरस होना, काम आना, आत्मीय जनों को सुख पहुंचाने का यत्न करना ही परोपकार है। यही परस्परानुकूलता है। जब एक दूसरे सभी आपस में सबकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सचेत होते हैं तो आनंद नाच उठता है।

इसलिए सुख का आधार परस्परानुकूलता है, संघर्ष नहीं अपने-अपने मुख की कामना पर संघर्ष करने से ईर्ष्या पूर्ण प्रतिद्वंद्विता तैयार होती है। उसमें सुख का आभास भले ही निर्माण हो, तैयार होता है दुःख। इसीलिए कहा गया है कि सुख आत्मनिष्ठ हैं, वस्तुनिष्ठ नहीं। किसी वस्तु में सुख होता तो वस्तु पास में रहने तक सदैव सुख ही देती रहती। किंतु हम अनेक बार पाते हैं कि जो वस्तु सुखकर लगती थी, वही कुछ कारण से अब दुःख देने लगी है, इसलिए सुख आत्मनिष्ठ है, जिसका आधार परस्परानुकूलता है।

सृष्टि का भी सब व्यवहार इसी प्रकार आपस की पूरकता में से ही प्रकट होता है। समुद्र की भाप ऊपर उठकर बादल बनती है, बादल घुमड़-घुमड़कर बरस जाते हैं। नदियां उफनती हैं और फिर समुद्र में जा मिलती हैं। यही आनंद है। व्यष्टि, समष्टि, सृष्टि और परमेष्टि, ये चार तत्व हमारे सामने उपस्थित होते हैं, जो परस्पर सहकार्य से सुखदायी होते हैं। व्यक्ति समाज पर अवलंबित है, समाज सृष्टि पर निर्भर है और सृष्टि का संचालन परमेष्टी द्वारा हो रहा है। व्यक्ति उसे परमेष्टि की इच्छा की पूर्ति का साधन बनाने में धन्यता अनुभव करता है। जब तक इनमें परस्पर तालमेल बना है, सबकुछ ठीक चलता है।

यही यज्ञचक्र कहा गया है। भगवद्गीता में कहा गया है कि प्राणी अन्न से, अन्न पर्जन्य से, पर्जन्य यज्ञ से और यज्ञ ब्रह्मा से निर्मित हुए हैं। इस तरह का चक्र पूर्ण होता बताया गया है। यह अखंड चक्र ही सब सुखों की धारणा करता है। इसे ही हमने दूसरे शब्दों में धर्म नाम से जाना है। अर्थात् परस्पर कर्तव्य करने से धारणा रूप जो धर्म प्रकट होता है, वही सुख है।

व्यक्ति जीवन में इस सुख की प्राप्ति के लिए चार बातों की आवश्यकता है— शिक्षा, स्वतंत्रता, शांति और पौरुष।

जिस यज्ञचक्र का उल्लेख ऊपर किया गया है, उसे व्यवस्था के साथ और निष्ठापूर्वक संचालित बनाए रखने के लिए शिक्षा की जरूरत है। सब प्रकार की शिक्षा व्यक्ति को देने की व्यवस्था समाज में होनी चाहिए। किंतु यह तभी संभव है कि जब व्यक्ति तथा समाज का जीवन स्वतंत्र हो। मानसिक स्वतंत्रता ही नहीं, आर्थिक और राजनीतिक स्वतंत्रता भी जरूरी है। जाति चिति के अभियान प्रबल रहने से ही यह स्वतंत्रता रह सकती है। जहां स्वाभिमान नहीं, वहां स्वतंत्रता भी नहीं रह सकती। इनके लिए शक्ति और पौरुष की भी आवश्यकता है। इन चारों साधन चतुष्ट्य का निर्माण तथा संरक्षण करने के कार्य के लिए सक्षम सत्ताओं की रचना होती है। स्वतंत्रता रक्षण के लिए राज्य, शिक्षण के लिए गुरुकुल, अन्य सब प्रकार की शांति और पौरुष निर्माण के लिए समाज की चातुर्वर्ण्य व्यवस्था है।

प्रत्येक व्यक्ति को सक्षम बनाने के लिए चार आश्रम हैं। इस प्रकार चतुविध वर्णाश्रम के आधार पर, चतुर्विध साधनों के सहारे, चतुर्विध सिद्धांत को लेकर परमसुख की प्राप्ति का व्यावहारिक ढांचा खड़ा किया गया। ये सब साधन चिति से ही साध्य होते हैं। इसलिए राष्ट्र को चैतन्य प्रदान करना ही सब कार्यों की मूल प्रेरणा है। राष्ट्र का चैतन्य निर्माण होने से ये सब कार्य संपन्न होते हैं। ■

-राष्ट्र जीवन की दिशा (पुस्तक), 1971

मोदी स्टोरी

नरेन्द्र मोदीजी के लिए हर मिनट मायने रखता है

— रणधीर शर्मा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का समय प्रबंधन उन्हें प्रत्येक उपलब्ध मिनट का अधिकतम उपयोग करने की अनुमति देता है। समय-समय पर हम प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा देश की सेवा में अपने समय का सदुपयोग करने के उदाहरण देखते हैं। चाहे वह उनकी विदेश यात्राएं हों, जहां वह उड़ान के दौरान अपने विमान में सोते हैं और बाकी समय अपनी बैठकों में बिताते हैं या प्रधानमंत्री कार्यालय में उनके कामकाजी घंटे जहां वह दिन में 18 घंटे काम करते हैं।

लेकिन इन उदाहरणों का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने यह आदत हाल ही में विकसित की है। श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शुरुआती दिनों से ही समय को हमेशा महत्व दिया है। उनका मानना है कि बर्बाद किया गया हर मिनट राष्ट्र के प्रति अहित है।

यह लेख उनके समय के सर्वोत्तम उपयोग का एक उदाहरण है। यह घटना वर्ष 1996 की है जब उन्होंने भाजपा के प्रदेश प्रभारी के रूप में हिमाचल प्रदेश का दौरा किया था।

हिमाचल प्रदेश के विधायक श्री रणधीर शर्मा उस यात्रा को याद करते हैं। उन्हें कालका स्टेशन पर श्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने कालका से श्री मोदी की अगवानी की और उन्हें परवाणू के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस ले गये।

श्री नरेन्द्र मोदी शौचालय से वापस आए और उनसे पूछा कि गीजर चालू नहीं है। श्री शर्मा ने जवाब दिया कि वह इसे अभी चालू कर देंगे लेकिन श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने इसे पहले ही चालू कर दिया है।

चर्चा जारी रखते हुए श्री मोदी ने कहा कि जब श्री शर्मा उन्हें लेने के लिए स्टेशन जा रहे थे तो उन्हें गीजर चालू कर देना चाहिए था। श्री शर्मा ने जवाब दिया कि 15-20 मिनट के अंदर गर्म पानी मिल जायेगा।

श्री शर्मा को आश्चर्य हुआ जब श्री नरेन्द्र मोदी ने उनसे पूछा, वे उन 15-20 मिनटों में क्या करेंगे?

श्री मोदी ने कहा, जब आप स्टेशन के लिए निकले तो आपको गीजर चालू कर देना चाहिए था, अब तक गर्म पानी उपलब्ध हो गया होता और हम बिना समय बर्बाद किए शिमला के लिए आगे बढ़ सकते थे।

जब वे शिमला पहुंच रहे थे, श्री मोदी ने श्री शर्मा से एक कार्यकर्ता को फोन करने और हमारे वहां पहुंचने तक समाचार पत्र उपलब्ध कराने के लिए कहा।

उन्होंने उन्हे यह भी सुझाव दिया कि किसी को पहले से चाय तैयार करने के लिए भी कहें ताकि समय बर्बाद न हो।

श्री मोदी उस समय भी दाढ़ी रखते थे। श्री शर्मा ने एक बार उनसे दाढ़ी रखने का कारण पूछा था। श्री नरेन्द्र मोदी ने जवाब दिया कि दाढ़ी बनाने में रोजाना कम से कम 15 मिनट का समय लगता है और वहीं आप महीने में एक बार 5 मिनट में अपनी दाढ़ी ट्रिम कर सकते हैं।

फिर उन्होंने कहा कि क्या आप सोच सकते हैं कि अगर आप हर दिन 15 मिनट शेविंग में बर्बाद करते हैं, तो एक महीने में कितना समय बर्बाद होता है।

इन घटनाओं को याद करते हुए श्री शर्मा कहते हैं, समय का सर्वोत्तम उपयोग करने की क्षमता श्री नरेन्द्र मोदी का एक विशेष गुण है। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

स्वर्गीय श्री जुपुड़ी यज्ञ नारायण

स्वर्गीय श्री जुपुड़ी यज्ञ नारायण

सक्रिय वर्ष 1952-1994
जिला - गुंटूर,
आंध्रप्रदेश

आंध्र प्रदेश के कटिवरम गांव के स्वर्गीय श्री जुपुड़ी यज्ञ नारायण बहुत कम उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हुए थे। संघ के साथ उनके जुड़ाव ने उन्हें जनसंघ में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जहां उन्होंने जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पदों पर अपने दायित्व का निर्वहन किया। आपातकाल के दौरान उन्हें मीसा बंदी के रूप में जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने 1971-73 के दौरान जय आंध्र आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने प्रदेश में जनसंघ, जनता पार्टी और भाजपा को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। श्री नारायण एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति और एक सफल वकील, बुद्धिजीवी, अच्छे वक्ता, कलाकार और खिलाड़ी थे। ■

प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त भर्तियों के लिए 70,000 से अधिक नियुक्ति पत्र किए वितरित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया और विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्तियों के लिए 70,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर में चुने गए नए कर्मचारी राजस्व विभाग, वित्तीय सेवा, डाक, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, रक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, जल संसाधन, कार्मिक और प्रशिक्षण और गृह मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सरकार में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान देश भर के 44 स्थान मेले से जुड़े रहे।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह न केवल युवा नवनियुक्तों के लिए एक स्मरणीय दिन है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि आज वह दिन है जब 1947 में पहली बार संविधान सभा द्वारा तिरंगे को उसके वर्तमान स्वरूप में स्वीकार किया गया था। श्री मोदी ने कहा कि यह बहुत प्रेरणा की बात है कि नवनियुक्तों को इस महत्वपूर्ण दिन सरकारी सेवाओं के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहा है। उन्होंने देश का नाम आगे ले जाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में प्रत्येक नागरिक ने भारत को 'विकसित भारत' बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि अगले 25 वर्ष नई भर्तियों और देश के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

श्री मोदी ने अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के उदय को रेखांकित किया, क्योंकि यह बहुत शीघ्रता से विश्व की 10वीं से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत विश्व की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने जा रहा है, जैसाकि अधिकांश अर्थव्यवस्था विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किया है।

बैंकिंग क्षेत्र की चर्चा करते हुए जिसमें आज के कार्यक्रम में अच्छी संख्या में भर्तियां हुईं, प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था के विस्तार में बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया। श्री मोदी ने पिछले नौ वर्षों की यात्रा को याद करते हुए कहा कि आज, भारत उन देशों में से है, जिनका बैंकिंग सेक्टर सबसे मजबूत माना जाता है।

उन्होंने अतीत में इस क्षेत्र पर राजनीतिक स्वार्थ के बुरे प्रभाव पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने अतीत की 'फोन बैंकिंग' का उल्लेख किया जब शक्तिशाली लोगों के फोन कॉल पर ऋण संवितरित किए जाते थे। उन्होंने कहा कि ये ऋण कभी नहीं चुकाए गए। श्री मोदी ने कहा कि इन घोटालों ने देश के बैंकिंग क्षेत्र की कमर तोड़ दी।

प्रधानमंत्री ने 50 करोड़ जनधन खाते खोलकर जनधन खाता योजना को बड़ी सफलता बनाने में बैंकिंग क्षेत्र के प्रयासों की सराहना की।

पिछले 5 वर्षों में 13 करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से ऊपर

श्री मोदी ने कहा कि हाल की नीति रिपोर्ट में पाया गया है कि पिछले 5 वर्षों में 13 करोड़ भारतीयों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है। उन्होंने इसमें सरकारी सेवकों की कड़ी मेहनत की सराहना की और पक्के मकान, शौचालय और बिजली कनेक्शन की योजनाओं का उल्लेख किया।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कैसे भारत हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है, चाहे वह मोबाइल फोन निर्यात हो, 2023 के पहले 6 महीनों में बेची गई कारों की संख्या और इलेक्ट्रिक वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री हो।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि पिछले 9 वर्षों में, सरकार ने कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित किया है, जहां लगभग 1.5 करोड़ युवाओं को पीएम कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित करने का भी उल्लेख किया ताकि युवाओं को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार किया जा सके।

श्री मोदी ने देश भर में नए मेडिकल कॉलेज, आईटीआई, आईआईटी और तकनीकी संस्थानों के निर्माण का भी उल्लेख किया और कहा कि 2014 तक हमारे देश में लगभग 380 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि पिछले 9 वर्षों में यह संख्या बढ़कर 700 से अधिक हो गई है। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी की हालिया अंतरराष्ट्रीय यात्राएं:
भारत की विदेश नीति के नए युग की शुरुआत

विजय चौथाईवाले

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ऊर्जावान नेतृत्व में भारत-अमेरिका संबंधों ने एक नए अध्याय में प्रवेश किया है। भारत ने अतीत की हिचकिचाहट को पीछे छोड़ दिया है और नए आत्मविश्वास के साथ भरोसेमंद साझेदारी के दौर की ओर बढ़ गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा ऐतिहासिक थी, जिसने एक वैश्विक नेता के रूप में उनके कद की पुष्टि की। संयुक्त राष्ट्र में एक प्रभावशाली योग कार्यक्रम का नेतृत्व करने से लेकर महत्वपूर्ण रक्षा और सेमीकंडक्टर उत्पादन सौदे करने तक, प्रधानमंत्री मोदीजी की यात्रा ने भारत की सांस्कृतिक विरासत, राजनयिक कौशल और विश्व मंच पर इसके बढ़ते प्रभाव को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिका दौरा कई मायनों में अहम है। वह नेल्सन मंडेला और विंस्टन चर्चिल के प्रतिष्ठित वर्ग में शामिल हुए और अमेरिकी कांग्रेस को दो बार संबोधित करने वाले तीसरे विश्व नेता बने।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, प्रौद्योगिकी, माइक्रोचिप्स और वीजा नवीनीकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई समझौतों की घोषणा की। भारत ने एमक्यू-9 'रीपर' सशस्त्र ड्रोन की खरीद के लिए एक समझौता किया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित तेजस एमके-2 विमान के लिए जीई के 414 इंजनों के सह-उत्पादन की घोषणाएं की गई। माइक्रोन टेक्नोलॉजी भारत में 2.75 बिलियन डॉलर की नई सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा के साथ 800 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करेगी। अगले वर्ष नासा और इसरो का एक संयुक्त मिशन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भी भेजा जाएगा।

अमेरिका की अपनी राजकीय यात्रा समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी मिस्र पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को काहिरा के राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी द्वारा मिस्र के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द नाइल' से सम्मानित किया गया। विगत 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा थी, भारत और मिस्र ने अपने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया। इस यात्रा के दौरान मोदी और अल-सिसी ने राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। दोनों नेताओं ने राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग, रक्षा सहयोग, व्यापार और निवेश संबंधों, वैज्ञानिक और अकादमिक आदान-प्रदान और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने सहित व्यापक वार्ता के बाद रणनीतिक साझेदारी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों ने तीन अन्य समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए; इसमें कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए; स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों की सुरक्षा और संरक्षण; एवं प्रतिस्पर्धा कानून शामिल है।

> **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा ऐतिहासिक थी, जिसने एक वैश्विक नेता के रूप में उनके कद की पुष्टि की। संयुक्त राष्ट्र में एक प्रभावशाली योग कार्यक्रम का नेतृत्व करने से लेकर महत्वपूर्ण रक्षा और सेमीकंडक्टर उत्पादन सौदे करने तक, प्रधानमंत्री मोदीजी की यात्रा ने भारत की सांस्कृतिक विरासत, राजनयिक कौशल और विश्व मंच पर इसके बढ़ते प्रभाव को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया**

प्रधानमंत्री मोदीजी और राष्ट्रपति अल-सिसी ने जी-20 में आगे के सहयोग पर भी चर्चा की, जिसमें खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल साउथ के लिए एक ठोस पहल की आवश्यकता के मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। प्रधानमंत्री ने अल-सिसी को सितंबर में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण भी दिया। भारत के लिए प्रस्थान करने से पहले प्रधानमंत्री मोदीजी ने काहिरा में मिस्र की ऐतिहासिक 11वीं सदी

की अल-हकीम मस्जिद का दौरा किया, जिसे भारत के दाऊदी बोहरा समुदाय की मदद से पुनर्स्थापित किया गया था। मोदीजी ने मिस्र के ग्रैंड मुफ्ती डॉ. शॉकी इब्राहिम अब्देल-करीम अल्लम के साथ मिस्र-भारत संबंधों के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने और उग्रवाद एवं कट्टरपंथ का मुकाबला करने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने ग्रैंड मुफ्ती को अवगत कराया कि भारत मिस्र के सामाजिक न्याय मंत्रालय के साथ इस्लामी कानूनी अनुसंधान के लिए मिस्र की सलाहकार संस्था दार-अल-इफ्ता में आईटी का उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेगा।

प्रधानमंत्री मोदीजी की हालिया फ्रांस यात्रा ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर पेरिस पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदीजी का रेड कार्पेट स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया। जैसाकि भारत और फ्रांस अपनी रणनीतिक साझेदारी की स्थापना के 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, इस यात्रा ने विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य के लिए साझेदारी की रूपरेखा तैयार करने का अवसर प्रदान किया है। दोनों देश यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान तंत्र का उपयोग करने पर भी सहमत हुए हैं।

फ्रांस, भारत का सबसे पुराना रणनीतिक साझेदार है। वर्ष 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी और उनके समकक्ष जैक्स शिराक ने भारत-फ्रांस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया था। दोनों देश अपनी रणनीतिक स्वायत्तता, स्वतंत्र विदेश नीतियों को महत्व देते हैं और एक बहुध्रुवीय दुनिया चाहते हैं। दोनों देशो का हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर समान दृष्टिकोण है और दोनों देश हिंद-प्रशांत में संतुलित और स्थिर व्यवस्था बनाना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त दोनों देशों ने भारत-फ्रांस इंडो-पैसिफिक रोडमैप जारी किया है।

इन दोनों ही राष्ट्रों के रक्षा संबंध मजबूत हैं और अधिक मजबूत होंगे। फ्रांस-भारत के रक्षा संबंध अब खरीदार-विक्रेता मॉडल पर आधारित नहीं है, यह संयुक्त रूप से डिजाइन, विकास और सह-उत्पादन में विश्वास करते हैं। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी साझा करने को लेकर फ्रांसीसी पक्ष की ओर से एक आदर्श बदलाव आया है। कुछ समझौते हमारे रक्षा संबंधों में बदलाव को उजागर करते हैं। फ्रांसीसी कंपनी सफ्रान और डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन) उन्नत मध्यम लड़ाकू विमानों के लिए संयुक्त रूप से जेट इंजन विकसित करने पर सहमत हुए हैं। पनडुब्बियों को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स और फ्रांस के नेवल ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से बनाने का प्रस्ताव है। यूक्रेन में युद्ध के बाद रक्षा आयात में विविधीकरण अपरिहार्य है। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि फ्रांस इस क्षेत्र में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। पिछले दस वर्षों में फ्रांस भारत को रक्षा उपकरणों का निर्यात करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। इस कड़ी में 36 राफेल लड़ाकू विमानों की डिलीवरी पहले ही हो चुकी है। भारत द्वारा 26 अतिरिक्त राफेल एम लड़ाकू विमानों और स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद को मंजूरी दी जा चुकी है, इसके अतिरिक्त भारत में संयुक्त रूप से एक विमान इंजन विकसित करने का सौदा इस यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित प्रमुख ऐतिहासिक सौदे में से एक है।

> **चार देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमारे पारंपरिक भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत किया है, भारत के साथ उनके संबंधों में नए आयाम जोड़े हैं, भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत किया है, भारत के सभ्यतागत जुड़ाव को पुनर्जीवित किया है और यूपीआई जैसे नवीन भारतीय फिनटेक समाधानों को वैश्विक बनाने के अपने प्रयास को जारी रखा है**

फ्रांस की दो दिवसीय यात्रा के समाप्त करने के पश्चात् प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे, जहां उन्होंने शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी जी का अबू धाबी के राष्ट्रपति भवन कसर-अल-वतन में औपचारिक स्वागत किया गया, जहां यूएई के राष्ट्रपति ने गर्मजोशी से उनसे मिले। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात की सीओपी-28 की अध्यक्षता के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और उन्होंने अबू धाबी में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के मनोनीत राष्ट्रपति सुल्तान अल जाबेर के साथ सार्थक बातचीत भी की।

भारत और यूएई अपनी मुद्राओं में व्यापार शुरू करने और भारतीय एकीकृत भुगतान इंटरफेस को खाड़ी देश के त्वरित भुगतान प्लेटफॉर्म से जोड़ने पर सहमत हुए। यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद अपनी टिप्पणी में श्री मोदी ने कहा कि पिछले साल व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर के बाद से भारत-यूएई व्यापार में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की मुद्राओं में व्यापार करने के लिए हस्ताक्षरित समझौते से दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग और आपसी विश्वास का पता चलता है।

संक्षेप में, चार देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमारे पारंपरिक भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत किया है, भारत के साथ उनके संबंधों में नए आयाम जोड़े हैं, भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत किया है, भारत के सभ्यतागत जुड़ाव को पुनर्जीवित किया है और यूपीआई जैसे नवीन भारतीय फिनटेक समाधानों को वैश्विक बनाने के अपने प्रयास को जारी रखा है। ■

(लेखक भाजपा विदेश विभाग के प्रभारी हैं)

प्रधानमंत्री मोदीजी ने श्रीलंका के पूर्वी प्रांत के विकास के लिए बहु-क्षेत्रीय पैकेज की घोषणा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री रानिल विक्रमसिंघे 21 जुलाई को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए। इस यात्रा के दौरान दोनों नेताओं ने आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए एक साझा दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की, जो विस्तारित कनेक्टिविटी और गहरी आर्थिक साझेदारी पर केंद्रित था। विस्तारित कनेक्टिविटी में विभिन्न आयामों को शामिल किया गया हैं, जिसमें समुद्री कनेक्टिविटी, हवाई कनेक्टिविटी, ऊर्जा कनेक्टिविटी, बिजली व्यापार और आर्थिक कनेक्टिविटी, वित्तीय कनेक्टिविटी, डिजिटल कनेक्टिविटी से लेकर नागरिकों की भागीदारी भी शामिल है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रतिपादित 'पड़ोसी देश प्रथम' नीति के तहत दोनों पक्षों ने आर्थिक सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करने वाले विभिन्न दस्तावेजों को भी अंतिम रूप दिया। जिसमें पहला था नवीकरणीय ऊर्जा पर समझौता ज्ञापन। दूसरा त्रिंकोमाली से संबंधित है। दोनों पक्ष त्रिंकोमाली को नवीकरणीय ऊर्जा और आर्थिक सहयोग समेत उद्योग ऊर्जा के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने पर सहमत हुए। व्यापार और लोगों का आवागमन बढ़ाने के लिए तमिलनाडु के नागपट्टनम और श्रीलंका के कांके-संतुरई के बीच यात्री फेरी सेवा शुरू करने का निर्णय भी लिया गया।

भारत और श्रीलंका के सुरक्षा हित और विकास एक दूसरे से जुड़े हैं: नरेन्द्र मोदी

श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जुलाई को प्रेस वक्तव्य में कहा कि पिछला एक वर्ष श्रीलंका के लोगों के लिए चुनौतियों से भरा रहा है। एक निकटतम मित्र होने के नाते, हमेशा की तरह, हम इस संकट के काल में भी श्रीलंका के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे संबंध हमारी सभ्यताओं की तरह ही प्राचीन भी है और व्यापक भी हैं। भारत की 'पड़ोसी देश पहले' नीति और 'सागर' विज़न, दोनों में भी श्रीलंका का एक महत्वपूर्ण स्थान है। आज हमने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

उन्होंने कहा कि आज हमने हमारी आर्थिक साझेदारी के लिए एक दृष्टिपत्र (विजन डक्यूमेंट) अपनाया है। यह विज़न है— दोनों देशों के लोगों के बीच समुद्री, वायु, ऊर्जा और लोगों के आपसी संबंध को मजबूती देने का। यह विज़न है— पर्यटन, विद्युत, व्यापार, उच्च शिक्षा और कौशल विकास में आपसी सहयोग को गति देने का। यह विज़न है— श्रीलंका के प्रति भारत की दीर्घावधि प्रतिबद्धता का।

श्री मोदी ने कहा कि हमने तय किया है कि आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते पर शीघ्र ही बातचीत शुरू की जाएगी। इससे दोनों देशों के लिए व्यापार और आर्थिक सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। हम भारत और श्रीलंका के बीच हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सहमत हैं।

उन्होंने कहा कि हमने तय किया है कि दोनों देशों के बीच बिजली ग्रिड को जोड़ने के काम को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। भारत और श्रीलंका के बीच पेट्रोलियम पाइपलाइन के लिए संभावना अध्ययन किया जाएगा। इसके अलावा, एक सड़क पुल की संभावना को भी जांचने का निर्णय लिया गया। आज श्रीलंका में यूपीआई के शुभारंभ करने के लिए हुए समझौते से फिनटेक कनेक्टिविटी भी बढ़ेगी।

श्री मोदी ने कहा कि आज हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम सहमत हैं कि हमें इस मामले में

एक मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमने श्रीलंका में पुनर्निमाण और समन्वय पर भी बात की। राष्ट्रपति विक्रमसिन्घे ने अपने समावेशी दृष्टिकोण के बारे में मुझे बताया। हम आशा करते हैं कि श्रीलंका सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि यह वर्ष हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए विशेष महत्त्व रखता है। हम अपने राजनयिक संबंधों की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मना रहें हैं। साथ ही, भारतीय मूल का तमिल समुदाय श्रीलंका में अपने आगमन के 200 वर्ष पूरे कर रहा है। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि इस अवसर पर श्रीलंका के भारतीय मूल के तमिल नागरिकों के लिए 75 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाएं कार्यान्वित की जाएंगी। इसके साथ-साथ, भारत श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्र में भी विकास कार्यक्रमों में योगदान देगा। ■

प्रधानमंत्री ने जी–20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक को किया सम्बोधित

'स्किलिंग, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग भावी श्रमशक्ति का मूलमंत्र है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के इंदौर में आयोजित जी-20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक को 21 जुलाई को वीडियो संदेश के माध्यम से सम्बोधित किया। रोजगार को आर्थिक और सामाजिक पहलुओं के सबसे अहम हिस्से के रूप में रेखांकित करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय रोजगार सेक्टर के मद्देनजर कुछ महान बदलावों की दहलीज पर खड़ी है। श्री मोदी ने कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति के इस युग में रोजगार की मुख्य प्रेरक-शक्ति प्रौद्योगिकी है और रहेगी।

प्रधानमंत्री ने उन्नत प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के इस्तेमाल से श्रमशक्ति को कुशल बनाने पर जोर देते हुये कहा कि स्किलिंग, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग भावी श्रमशक्ति का मूलमंत्र है।

उन्होंने भारत के 'स्किल इंडिया मिशन' का उदाहरण दिया, जिसने इसे वास्तविकता बना दिया है। उन्होंने 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' का भी उदाहरण दिया, जिसके तहत अब तक भारत के 12.5 मिलियन युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। श्री मोदी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ड्रोन जैसे उद्योग 'फोर प्वॉइंट ओ' सेक्टरों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने विकास के वैश्वीकरण तथा सच्चे अर्थों में कौशल को साझा करने में जी-20 की भूमिका पर जोर दिया।

संबोधन की मुख्य बातें

- चौथी औद्योगिक क्रांति के इस युग में रोजगार की मुख्य प्रेरक-शक्ति प्रौद्योगिकी है और रहेगी।
- भारत के पास विश्व में कुशल श्रमशक्ति के सबसे बड़े प्रदाता देशों में से एक बनने की क्षमता है।
- भारत के 'ई-श्रम पोर्टल' पर लगभग 280 मिलियन लोगों ने पंजीकरण कराया है तथा उसके जरिये इन कामगारों को लक्षित करके उनके कल्याण का काम किया जा रहा है।
- हमें हर देश की अनोखी आर्थिक क्षमताओं, शक्ति और चुनौतियों को समझना होगा। हमें यह जानना होगा कि सबके लिये एकरूपी सोच सामाजिक सुरक्षा के अनवरत वित्तपोषण के लिये उपयुक्त नहीं है। ■

प्रधानमंत्री ने जी–20 ऊर्जा मंत्रियों की बैठक को किया संबोधित

'भारत सौर एवं पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में से एक है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जुलाई को वीडियो संदेश के माध्यम से गोवा में आयोजित जी-20 ऊर्जा मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया। हरित विकास और ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन के मामले में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि भारत सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन फिर भी वह अपनी जलवायु संबंधी प्रतिबद्धताओं की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

श्री मोदी ने बताया कि भारत ने गैर-जीवाश्म स्थापित विद्युत क्षमता के अपने लक्ष्य को निर्धारित समय से नौ साल पहले ही प्राप्त कर लिया है और उसने अपने लिए एक ऊंचा लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि देश 2030 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्थापित क्षमता हासिल करने की योजना बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सौर एवं पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में से एक है।

संबोधन की मुख्य बातें

- पिछले नौ वर्षों के दौरान भारत ने 190 मिलियन से अधिक परिवारों को एलपीजी से जोड़ा। साथ ही, हर गांव को बिजली से जोड़ने की ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की।
- 2015 में भारत ने एलईडी लाइट के उपयोग के लिए एक योजना शुरू करके एक छोटा सा आंदोलन शुरू किया था, जो दुनिया का सबसे बड़ा एलईडी वितरण कार्यक्रम बन गया, जिससे हमें प्रति वर्ष 45 बिलियन यूनिट से अधिक ऊर्जा की बचत हुई।
- सारी दुनिया दीर्घकालिक, न्यायसंगत, किफायती, समावेशी और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए जी-20 समूह की ओर देख रही है।
- हमारे विचारों एवं कार्यों को हमेशा हमारी 'एक पृथ्वी' को संरक्षित करने, हमारे 'एक परिवार' के हितों की रक्षा करने और हरित 'एक भविष्य' की ओर बढ़ने में मददगार होना चाहिए। ■

इस बार मानसून सत्र में अनेक महत्वपूर्ण बिल आ रहे हैं: नरेन्द्र मोदी

संसद के मानसून सत्र 2023 से पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जुलाई को अपने वक्तव्य में कहा कि मानसून सत्र में आप सब का स्वागत है। सावन का पवित्र मास चल रहा है और इस बार तो डबल सावन है और इसलिए सावन की अवधि भी जरा ज्यादा है। और सावन मास पवित्र संकल्प के लिए, पवित्र कार्यों के लिए बहुत ही उत्तम माना जाता है और आज जब लोकतंत्र में मंदिर में इस सावन के पवित्र मास में मिल रह हैं तो लोकतंत्र का मंदिर ऐसे अनेक पवित्र कार्य करने के लिए इससे बड़ा उत्तम अवसर नहीं हो सकता है। मुझे विश्वास है कि सभी माननीय सांसद मिलकर के इस सत्र का जनहित में सर्वाधिक उपयोग करेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि संसद की जो जिम्मेवारी और संसद में हर सांसद की जो जिम्मेवारी है ऐसे अनेक कानूनों का बनाना, इसकी विस्तार से चर्चा करना बहुत ही आवश्यक है और चर्चा जितनी ज्यादा होती है, चर्चा जितनी ज्यादा पैनी होती है उतना जनहित में दूरगामी परिणाम देने वाले अच्छे निर्णय होते हैं।

उन्होंने कहा कि सदन में जो माननीय सांसद आते हैं वो धरती से जुड़े हुए होते हैं, जनता के दुःख, दर्द को समझने वाले होते हैं और इसलिए जब चर्चा होती है तो उनकी तरफ से जो विचार आते हैं वो जड़ों से जुड़े हुए विचार आते हैं और इसलिए चर्चा तो समृद्ध होती है, निर्णय भी सशक्त होते हैं, परिणामकारी होते हैं। इसलिए मैं सभी राजनीतिक दलों को, सभी माननीय सांसदों को इस सत्र का भरपूर उपयोग करके जनहित के कामों को हम आगे बढ़ाएं।

श्री मोदी ने कहा कि ये सत्र अनेक रूप से महत्व का भी है, क्योंकि इस सत्र में जो बिल लाए जा रहे हैं वे सीधे-सीधे जनता के हितों से जुड़ें हुए हैं। हमारी युवा पीढ़ी जो पूरी तरह डिजिटल वर्ल्ड के साथ एक प्रकार से नेतृत्व कर रही है। इस समय डेटा सुरक्षा विधेयक देश के हर नागरिक को एक नया विश्वास देने वाला बिल है और विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला बिल है।

प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि इसी प्रकार से राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन नई शिक्षा नीति के संदर्भ में एक बहुत बड़ा अहम कदम है और इसका उपयोग अनुसंधान को बल देना, नवाचार का बल देना, अनुसंधान को बल देना और हमारी युवा पीढ़ी जो विश्व के अंदर नए उपक्रमों के द्वारा विश्व का नेतृत्व करने का सामर्थ्य रखती हैं, उनके लिए बड़ा अवसर लेकर के आ रही है।

उन्होंने कहा कि जनविश्वास भी सामान्य मानवी के प्रति भरोसा करना अनेक कानूनों को decriminalise करना इस मुहिम को आगे बढ़ाने वाला ये बिल। इसी प्रकार से जो पुराने कानून है उनको खत्म करने के लिए भी एक बिल में प्रावधान किया जा रहा है।

मध्यस्थता विधेयक

श्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां सदियों से एक परंपरा रही है कि जब विवाद हो तो संवाद से सुलझाया जाए। मध्यस्थता की परंपरा हमारे देश की बहुत सदियों पुरानी है उसको अब कानूनी आधार देते हुए मध्यस्थता विधेयक लाने की दिशा में इस सत्र का बहुत बड़ा उपयोग है जो अनेक विवादों से सामान्य से सामान्य मानवी से लेकर के असामान्य संजोगों को भी मिल बैठकर के सुलझाने का एक मजबूत नींव बनाएगा। इसी प्रकार से डेंटल मिशन को लेकर के ये बिल जो हमारे डेंटल कॉलेजों को लेकर मेडिकल के छात्रों के लिए एक नई व्यवस्था को आकार देगा।

उन्होंने कहा कि ऐसे अनेक महत्वपूर्ण बिल इस बार इस सत्र में संसद में आ रहे हैं तब ये जनहित के हैं, ये युवा हित के हैं, ये भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए हैं। मुझे विश्वास है इस सदन में गंभीरतापूर्वक इस बिलों पर चर्चा करके हम बहुत तेजी से राष्ट्रहित के महत्वपूर्ण कदमों को आगे बढ़ाएंगे।

श्री मोदी ने कहा कि आज जब मैं आपके बीच आया हूं इस लोकतंत्र के मंदिर के पास खड़ा हूं तब मेरा हृदय पीढ़ा से भरा हुआ है, क्रोध से भरा हुआ है मणिपुर की जो घटना सामने आई है किसी भी सभ्य समाज के लिए ये शर्मसार करने वाली घटना है। पाप करने वाले, गुनाह करने वाले कितने है, कौन है वो अपनी जगह पर है लेकिन बेज्जती पूरे देश की हो रही है, 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि मैं सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वो अपने राज्य में कानून व्यवस्थाओं को और मजबूत करें, खासकर के हमारी माताओं, बहनों की रक्षा के लिए कठोर से कठोर कदम उठायें । घटना चाहे राजस्थान की हो, घटना चाहे छत्तीसगढ़ की हो, घटना चाहे मणिपुर की हो। इस देश में हिन्दुस्तान के किसी भी कोने में, किसी की भी राज्य सरकार में राजनीतिक वाद-विवाद से उपर उठकर के कानून व्यवस्था का माहात्म्य, नारी का सम्मान और मैं देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा। कानून अपनी पूरी शक्ति से एक के बाद एक कदम उठाएगा। मणिपुर की बेटियों के साथ जो हुआ है इसको कभी माफ नहीं किया जा सकता है। ■

इटली ने द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सेना के योगदान का किया सम्मान

भारतीय सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इतालवी अभियान में केंद्रीय भूमिका निभाई थी, जिसमें चौथी, 8वीं और 10वीं डिविजन के 50,000 से अधिक भारतीय सेना के सैनिक शामिल थे

भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए मोनोटोन के कम्यून (इटली में) और इतालवी सैन्य इतिहासकारों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इतालवी अभियान के दौरान लड़ने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि के तौर पर और ऊपरी तिबर घाटी की ऊंचाइयों पर युद्ध में मारे गए नाइक यशवंत घाडगे, विक्टोरिया क्रॉस के सम्मान में, मोंटोन (पेरुगिया, इटली) में 'वी.सी. यशवंत घाडगे सनडायल मेमोरियल' का अनावरण किया है। इटली में भारत की राजदूत डॉ. नीना मल्होत्रा और भारतीय रक्षा अताशे ने समारोह के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में इतालवी नागरिक, विशिष्ट अतिथि और इतालवी सशस्त्र बलों के सदस्य भी उपस्थित थे।

रक्षा मंत्रालय द्वारा 22 जुलाई को जारी बयान के अनुसार भारतीय सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इतालवी अभियान में केंद्रीय भूमिका निभाई थी, जिसमें चौथी, 8वीं और 10वीं डिविजन के 50,000 से अधिक भारतीय सेना के सैनिक शामिल थे। इटली में दिए गए 20 विक्टोरिया क्रॉस में से छह भारतीय सैनिकों ने जीते थे। 23,722 भारतीय सैनिक हताहत हुए, जिनमें से 5,782 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया और पूरे इटली में फैले 40 राष्ट्रमंडल युद्ध समाधि स्थलों में उनका स्मरण किया जाता है।

इस स्मारक को एक सहभागी प्रयास बनाने के लिए इतालवी अभियान में लड़ने वाले भारतीय सेना के सभी रैंकों के वीरतापूर्ण बलिदान की स्मृति में स्मारक पर भारतीय सेना की एक पट्टिका लगाई गई है। यह स्मारक एक कार्यरत धूपघड़ी (सनडायल) के रूप में है। स्मारक का आदर्श वाक्य 'ओमाइंस सब ईओडेम सोल' है, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद 'हम सभी एक ही सूर्य के नीचे रहते हैं' है।

इतालवी अभियान के दौरान योगदान का सम्मान करते हुए इस स्मारक का उद्‌घाटन इस तथ्य का प्रमाण है कि इटली द्वितीय विश्व युद्ध के इतालवी अभियान के दौरान भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान और योगदान का बहुत सम्मान करता है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)............................. (2)............................

ईमेल : ....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :................................ दिनांक :............................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें
डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003
फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

पेरिस (फ्रांस) में 13 जुलाई, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगमन पर स्वागत करते फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रों और भारतीय समुदाय

अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) में 15 जुलाई, 2023 को कसर ऐ-वतन (राष्ट्रपति महल) में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति श्री शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 21 जुलाई, 2023 को श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री रानिल विक्रमसिंघे से भेंट करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 20 जुलाई, 2023 को संसद के मानसून सत्र 2023 की शुरुआत से पहले मीडिया को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

पोर्ट ब्लेयर में 18 जुलाई, 2023 को वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

@Kamal.Sandesh @KamalSandesh
kamal.sandesh KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 29 जुलाई, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह